हिन्दी साप्ताहिक

भारत समाचार निविदा लाईन

पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक: 45 ■ नई दिल्ली 15 से 21 अगस्त 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमला, भाजपा ने आप विधायक के साथ आरोपी की फोटो जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह उट आवास में जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ। दिल्ली उट ने शाम करीब 6 बजे पर लिखा, 'जनसुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के संकल्प पर कायराना प्रयास है। हमले के बाद सदमे में थी। अब बेहतर महसूस कर रही हूं।'

वहीं, भाजपा विधायक हरीश खुराना ने घटना में आम आदमी पार्टी के शामिल होने का दावा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर गुजरात के आप विधायक गोपाल इटालिया के साथ आरोपी की फोटो शेयर की।

इस पर इटालिया ने कहा कि पुराने वीडियो से स्क्रीनशॉट्स लेकर उसे एडिट किया गया है। उन्होंने वीडियो का लिंक भी शेयर किया।

आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया (41) गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। उस पर हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया है।

CCTV वीडियो में दिखा आरोपी

सोशल मीडिया में CCTV भी वायरल हो रहा है। इसमें खीमजीभाई 19 अगस्त को उट के शालीमार बाग निवास का रेकी करता हुआ दिख रहा है।

प्रवेश वर्मा का दावा- आरोपी ने पहले रेकी की थी दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा- दिल्ली को एक ऐसी मुख्यमंत्री मिली है जो रोजाना अपने आवास पर जनसुनवाई कर रही हैं। दिल्ली-ठउफ से रोजाना 1000-2000 लोग उट के पास आते थे। आज जो हुआ वह बेहद निंदनीय है। हम मुख्यमंत्री से मिले, वह घायल थीं। उनकी टछउ की गई।

बीजेपी, कांग्रेस, आप नेताओं के बयान

दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर: 35 साल का कोई व्यक्ति जनसुनवाई में आया था। उसने उट को कोई दस्तावेज दिया। इसके बाद कुछ कहासुनी हुई। उसने हमला करने की कोशिश की। यह किसी ऐसी पार्टी का हो सकता है, जो हताश हो चुकी है।

दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख देवेंद्र यादव: घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। रेखा गुप्ता पूरी दिल्ली की मुख्यमंत्री हैं। इस तरह की घटनाओं की जितनी निंदा की जाए, कम है। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को उजागर कर दिया है। अगर दिल्ली की मुख्यमंत्री सुरक्षित नहीं हैं तो सामान्य पुरुष या महिला की सुरक्षा कैसे हो सकती है?

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप नेता आतिशी: रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

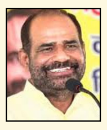

पूर्व भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी- रेखा जी को जनता से मिलने से रोकने के लिए यह एक साजिश के तहत किया गया। प्रधानमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों से जनता से जुड़ने को कहा है। इससे विपक्ष में हताशा है। मुझे 100% यकीन है कि जांच से पता चलेगा कि आरोपी कांग्रेस, आप या CPI से जुड़ा कार्यकर्ता था।

उन्होंने कहा- हमें पता चला है कि आरोपी व्यक्ति पिछले 24 घंटों से सीएम की रेकी कर रहा था, उसने गुप्ता के शालीमार बाग स्थित घर की भी रेकी की। रात सिविल लाइंस में भी गुजारी, ताकि वह मुख्यमंत्री से मिल सके। आज जब वह आया, तो उसके हाथ में कोई कागज नहीं था। उसने सीएम से मिलते ही हमला किया। उट के हाथ-पैर और सिर में चोट आई है।

आरोपी रिक्शा चालक, मां बोली- मेरा बेटा पशु प्रेमी

राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया राजकोट के कोठारिया इलाके का रहने वाला है और रिक्शा चलाता है। राजकोट पुलिस उसके घर पहुंची। वहां उसकी मां मिली। उन्होंने कहा- मेरा बेटा पशु प्रेमी है। सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली में कुत्तों को पकड़ने के आदेश दिए जाने के बाद से वह दुखी था।

एक नजर

कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक जेल में रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने का प्रस्ताव रखने वाला विधेयक संविधान के लिए दीमक का काम करेगा। सिब्बल ने कहा कि ऐसा लगता है कि इन विधेयकों का उद्देश्य विपक्षी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाना है और आरोप लगाया कि सरकार संविधान के मूल सिद्धांतों को नष्ट कर रही है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार इन विधेयकों को पारित नहीं करा पाएगी, क्योंकि संविधान संशोधन विधेयक के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, जो सरकार के पास नहीं है। सिब्बल ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और हेमंत सोरेन का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि ये विधेयक विपक्षी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए हैं।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक को संसद की मंजूरी

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग (संवर्धन एवं नियमन) विधेयक 2025 को राज्यसभा ने विपक्ष के भारी शोर-शराबे के बीच पारित कर दिया। इसके साथ ही इस पर संसद के दोनों सदनों की मुहर लग गई है। लोकसभा ने इस विधेयक को इसी तरह हंगामे के बीच बिना बहस के पारित कर दिया था। राज्य सभा में पहले स्थगन के बाद अपराह्न 2 बजे कार्यवाही पुनः शुरू हुयी थी। विपक्षी दलों के सदस्यों और हंगामे के बीच ही उप सभापति हरिवंश की अनुमति से इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विधेयक के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखा। सदन ने विधेयक को सदन की प्रवर समिति के समक्ष भेजने और इसके कुछ उपबंधों में संशोधन के कुछ विपक्षी सदस्यों के प्रस्तावों को नामंजूर करते हुए इसे बिना बहस के ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीठ से शिकायत की है कि विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता है। इसके बाद वह मतदाता सूची के मुद्दे पर बोलने का प्रयास करने लगे, तो हरिवंश ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। उप सभापति ने कहा कि विधेयक पर चर्चा हो रही हो, तो कोई और बात रिकार्ड में नहीं जाएगी। संसदीय कार्यमंत्री ने पीठ की अनुमति से बोलते हुए खरके की बात पर आपत्ति जतायी और कहा कि पीठ पर प्रश्न उठाना ठीक नहीं है।

आयोग का ध्यान नाम हटाने पर नहीं जोड़ने पर हो : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर फिर हमला करते हुए गुरुवार को कहा कि उसका ध्यान मतदाता सूची से नाम हटाने पर नहीं बल्कि तथ्यों की जांच परख कर नाम जोड़ने पर होना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए आयोग जो काम कर रहा है उसका मकसद मतदाता सूचियों को स्पष्ट और पारदर्शी बनाना नहीं बल्कि लोकतंत्र को नष्ट करना ज्यादा है। पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के ठीक बाद बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव आयोग ने सर्वेक्षण कराया और कहा कि मतदाता सूचियां पहले से ही 'लगभग पूर्ण सटीक' पर हैं लेकिन कागजी कार्यवाही और जागरूकता की कमी के कारण कई पात्र मतदाताओं का नामांकन नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट रूप से, चुनाव आयोग ने जनवरी 2025 तक बिहार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की कोई अनिवार्य आवश्यकता नहीं समझी थी। तब से कुछ बदला भी नहीं है तो फिर मतदाता सूची पुनरीक्षण की जरूरत नहीं थी और ऐसा लगता है कि यह चुनाव आयोग के जरिए महज सत्ता पक्ष के गठबंधन को बचाने की कोशिश मात्र है।

अमेरिका टैरिफ के खिलाफ भारत को मिला चीन का साथ

ड्रैगन के दूत ने ट्रंप को लगाई लताड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में चीन के राजदूत शू फीहॉन्ग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ का कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ चीन भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और एकतरफा टैरिफ जैसे कदमों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'चुप्पी केवल दबंगई को बढ़ावा देती है।" राजदूत ने कहा, "अमेरिका ने लंबे समय तक मुक्त व्यापार का लाभ उठाया, लेकिन अब वह टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिका ने भारत पर 50% तक के टैरिफ लगाए हैं। चीन इसका कड़ा विरोध करता है। चुप रहने से धमकाने वाले को और बढ़ावा मिलता है। चीन भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।"

राजदूत शू फीहॉन्ग ने कहा कि भारत और चीन साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। दोनों देशों को आपसी अविश्वास से बचना चाहिए और मतभेदों का समाधान संवाद के जरिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन-भारत संबंधों का विकास पूरी तरह सहज नहीं रहा है, लेकिन एकता और सहयोग ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

भारतीय वस्तुओं के लिए चीन का बाजार खुला

अमेरिकी टैरिफ की पृष्ठभूमि में चीन ने भारत को बड़ा संदेश देते हुए कहा कि उसके बाजार भारतीय वस्तुओं के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा, ॡहम भारत की सभी वस्तुओं का चीनी बाजार में स्वागत करते हैं। चीन और भारत मिलकर विकास की रणनीतियों को आगे बढ़ा सकते हैं और सहयोग का बड़ा केक तैयार कर सकते हैं।ॡ उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष उड़ानों को फिर से शुरू करने पर बातचीत चल रही है।

रणनीतिक भरोसा और एशिया की स्थिरता

राजदूत ने कहा कि भारत और चीन को रणनीतिक पारस्परिक भरोसे को मजबूत करना चाहिए और एशिया की सुरक्षा व स्थिरता को मिलकर सुरक्षित रखना चाहिए। उनके अनुसार, भारत और चीन एशिया की अर्थव्यवस्था के ॡदोहरे इंजनॡ हैं और संबंध केवल दोनों देशों ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए लाभकारी हैं।

बहुध्रुवीय दुनिया में नेतृत्व

उन्होंने कहा कि भारत और चीन बहुध्रुवीय दुनिया में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। राजदूत ने कहा कि दोनों देश महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं, बड़े विकासशील देश हैं और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के अहम चरण में हैं। ऐसे में हमारे रिश्तों का महत्व और बढ़ गया है। चीन के राजदूत ने जानकारी दी कि इस साल के पहले छह महीनों में भारत-चीन व्यापार 74.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.2 प्रतिशत अधिक है।

रिश्तों में नई ऊर्जा

चीनी राजदूत ने कहा कि कजान बैठक के बाद से भारत-चीन संबंधों में सुधार हो रहा है। विभिन्न स्तरों पर संवाद और आदान-प्रदान धीरे-धीरे बहाल हुए हैं और सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी चीन यात्रा को भी द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नई ऊर्जा देने वाला करार दिया। अंत में उन्होंने कहा, ॡभारत और चीन को एक-दूसरे से रिश्तेदारों की तरह मिलना-जुलना चाहिए। सहयोग और विश्वास ही हमारे लिए एकमात्र विकल्प हैं।

रूस में पुतिन से मिले जयशंकर

टैरिफ वॉर के बीच भारत का अमेरिका को क्लियर मैसेज

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार के महत्व पर दिया है।

जयशंकर ने इससे पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात की है। विदेश मंत्री का रूस दौरा ऐसा समय में हो रहा है जब रूस से कच्चे खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। रूस में जयशंकर ने अपने बयानों से अमेरिका को साफ शब्दों में यह संदेश दे दिया है कि भारत ट्रंप की टैरिफ नीतियों के आगे नहीं झुकेगा और ना ही वर भारत और रूस के संबंधों में दूरी पैदा कर सकता है।

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री के साथ बैठक के दौरान कहा है कि भारत और रूस के संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के सबसे प्रमुख साझेदारियों में से एक है। दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित और टिकाऊ तरीके से बढ़ाने का का संकल्प लिया है। वहीं भारत और रूस ने टैरिफ संबंधी बाधाओं और अड़चनों को तेजी से दूर करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। इससे पहले जयशंकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की इस साल के अंत में होने वाली भारत यात्रा से पहले मंगलवार को मॉस्को पहुंचे थे।

जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, ॡॡहमारा मानना ??है कि भारत और रूस के बीच संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के सबसे प्रमुख संबंधों में से एक रहे हैं। उन्होंने कहा, ॡॡभू-राजनीतिक स्थिति, जन भावनाएं और नेतृत्व संपर्क इसके प्रमुख प्रेरक बने रहेंगे।

लोकसभा में सरकार ने पेश किए तीन विधेयक

विपक्ष का जोरदार हंगामा, जेपीसी को भेजे जाएंगे बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में बुधवार को भारी हंगामा देखने को मिला, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीन विधेयक सदन में पेश किए। ये विधेयक प्रधानमंत्री या किसी मुख्यमंत्री को उनके पद से हटाने से जुड़े हैं, अगर वे किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार होकर 30 दिनों तक जेल में रहते हैं। शाह ने जैसे ही ये विधेयक पेश किए, विपक्षी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। उन्होंने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की तरफ फेंकी। इसके साथ ही वे नारेबाजी करते हुए सदन के बीच में पहुंच गए।

गृहमंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि ये विधेयक जल्दबाजी में नहीं लाए गए हैं और इन्हें संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजा जाएगा, जिसमें सभी दलों के सांसद सुझाव दे सकेंगे। शाह ने कहा, हम इतने बेशर्म नहीं हो सकते कि गंभीर आरोपों के बावजूद सांविधानिक पदों पर बने रहें। कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी जैसे विपक्षी सांसदों ने इस विधेयक का विरोध किया और इसे संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया।

हंगामे के बीच लोकसभा को दोपहर तीन बजे तक स्थगित किया गया। जब सदन दोबारा शुरू हुआ तो शाह ने कहा कि इन विधेयकों को 31 सदस्यों वाली जेपीसी को भेजा जाएगा, जो अगले संसद सत्र से पहले अपनी रिपोर्ट देगी। लेकिन विपक्षी के विरोध के चलते सदन को फिर शाम पांच बजे तक स्थगित करना पड़ा।

ये तीन विधेयक केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक 2025; संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 हैं। इनका मकसद यह है कि अगर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार कर लगातार तीस दिनों तक जेल में रखा जाता है, तो 31वें दिन वे अपने पद से हटा दिए जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी ने गिरफ्तारी के बावजूद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। एक विधेयक में प्रावधान है कि अगर कोई मंत्री लगातार तीस दिनों तक किसी ऐसे अपराध के आरोप में हिरासत में रहता है, जिसकी सजा पांच साल या उससे अधिक हो सकती है, तो राष्ट्रपति उन्हें प्रधानमंत्री की सलाह पर 31वें दिन हटा देंगे। अगर प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते, तो 31वें दिन के बाद वह व्यक्ति खुद-ब-खुद मंत्री पद से हटा हुआ माना जाएगा।

विपक्ष ने इन विधेयकों को तानाशाही वाले और अलोकतांत्रिक बताया और भाजपा पर देश को पुलिस राज्य में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि ये विधेयक पूरी तरह से तानाशाही वाले हैं और संविधान के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, अगर कल को किसी मुख्यमंत्री पर झूठा मुकदमा दर्ज कर उसे तीस दिन तक जले में रखा जाए, तो वह अपने आप पद से हट जाएगा।

'मैंने इस्तीफा दिया था...' विपक्ष ने लोकसभा में लगाया 'संविधान मत तोड़ो' का नारा तो गुस्से में क्या बोले अमित शाह?

नई दिल्ली. होम मिनिस्टर अमित शाह ने लोकसभा में बुधवार को संविधान संशोधन विधेयक समेत तीन बिल पेश किए. तीनों विधेयक पेश करते ही विपक्ष के सांसदों ने ॡसंविधान को मत तोड़ोॡ के नारे लगाए. कांग्रेस के एक सांसद के सवाल पर अमित शाह ने कहा कि मुझ पर झूठे आरोप लगाए थे, मेरे अरेस्ट के बाद मैंने इस्तीफा दिया था. जब तक मैं अदालत से बरी नहीं हो गया मैंने अपना पद दोबारा नहीं संभाला. इस विधेयक के मुताबिक, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहित किसी मंत्री के किसी अपराध में शामिल होने पर 30 दिन के भीतर पद छोड़ने का प्रावधान किया गया है.

असदुद्दीन ओवैसी और अभिषेक बनर्जी ने किया विरोध

वहीं, हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी कहा कि भाजपा सरकार देश को पुलिस राज्य बनाना चाहती है। उन्होंने पूछा, प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा? हम इन विधेयकों का पूरा विरोध करेंगे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सरकार बिना किसी जवाबदेही के सत्ता, पैसा और नियंत्रण चाहती है। उन्होंने भी इन्हें तानाशाही वाले विधेयक बताया।

संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025

केंद्र ने इस विधेयक को लेकर बताया कि संविधान में किसी ऐसे मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है जिसे गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया गया हो और हिरासत में लिया गया हो। इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री और राज्यों या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239अअ में संशोधन की जरूरत है। सरकार बुधवार को लोकसभा में इस आशय का संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। इसमें प्रावधान है कि संगीन अपराधों में लगातार 30 दिन तक हिरासत या गिरफ्तारी में रहने पर हर हाल में पद छोड़ना होगा। पद नहीं छोड़ने पर राष्ट्रपति की सलाह से ऐसे मंत्रियों को हटा दिया जाएगा।

केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, 2025

केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र शासित प्रदेशों का शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए केंद्र शासित प्रदेशों का शासन अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन की आवश्यकता है।

उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाई गई आजादी की 79वी वर्षगांठ

सम्मान के साथ फहराया नगर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में तिरंगाद

राधेश्याम गुर्जर

मध्य प्रदेशः शुक्रवार को देश भर मे आजादी की 79वी उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाई गई। आजादी पर्व के दिन सुबह से ही मुंदी नगर सहित आसपास क्षेत्र की सभी शासकीय अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं एवं शासकीय कार्यालय में उत्साह के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। मुंदी नगर परिषद कार्यालय में जहां नगर परिषद अध्यक्ष ज्योतिवाला चंद्रमोहन राठौर ने ध्वज फहराया एवं तिरंगे को सलामी दी।

वही नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुंदी नगर की सीएम राइस हायर सेकेंडरी स्कूल,सहित नगर की सभी शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।वही नगर के सभी शासकीय कार्यालय में बड़े सम्मान एवं उत्साह के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

गाँधी चौक मे मुख्य झंडावृंदन--

सुबह 9 बजे मुंदी नगर की सभी शैक्षणिक संस्थाओं के स्कूली छात्र-छात्राएं प्रभात फेरी के माध्यम से नगर के गांधी चौक पहुंचे जहां सामूहिक रूप से शिक्षक-शिक्षिकाये कर्मचारीयो एवं नगर परिषद मुंदी की ओर से उपस्थित पार्षद गणएवं नगर परिषद अध्यक्ष की उपस्थिति राष्ट्रीय गान एवं मध्यप्रदेश गान का गायन किया गया। उसके बाद सभी शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्रा कतार बंद होकर नगर के पालसूद रोड स्थित कान्वेंट स्कूल पहुंचे।जहां नगर परिषद मुंदी के द्वारा मुख्य आयोजन किया गया था। स्कूली बच्चों ने इस दौरान देशभक्ति पर आधारित जोशीली प्रस्तुतिया दी। इस दौरान मंच का माहौल देशभक्तिमय हो गया। इस दौरान नगर परिषद मुंदी की ओर से बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया इस दौरान कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में मान्धाता विधायक नारायण पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नगर परिषद मूंदी को जिले मे मिला सम्मान--

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यालय कलेक्टर खंडवा द्वारा जिले में पेंशन एवं समग्र ईकेवायसी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली निकायों को सम्मानित किया गया जिसमें नगर परिषद मूंदी को भी पेंशन ईकेवायसी 100% एवं समग्र ईकेवायसी 98.02% करने पर जिले के प्रभारी मंत्री माननीय श्री धर्मेंद्र सिंह जी लोधी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री संजय जैन एवं नोडल अधिकारी श्री आकाश शर्मा के नेतृत्व में समग्र ईकेवायसी में नगर परिषद मूंदी जिले में अव्वल रही। उक्त पेंशन एवं समग्र ईकेवायसी कार्य मे शैलेन्द्र राठौर, गौरव महाजन एवं ईकेवायसी हेतु गठित पूरे दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्री कृष्ण जी का डोला जलूस निकाला गया, पर्व हुआ सम्पन्न

जुगेश कुमार

उत्तर प्रदेशः श्री कृष्ण का जन्म. उत्सव का त्यौहार कस्बा सहित ग्रामीण छेत्रों से हर्षउल्लास के साथ मनाये जाने का समाचार मिल रही हैं कस्बा मे डोला जलूस निकला. गया जो मुख्य से होते हुए संकठ मन्दिर तिराहा से होते हुये रामलीला मैदान पड़ाव से कतार बध होकर. नगर भ्रमण करते हुऐ कोतवाली के परिसर से होते हुऐ मन्दिर मस्जिद के गली से पार होते हुए शिवा जी तालाब मे देर रात विसर्जन कर दिया गया इसके पूर्व सारे डोला पर पूजा अर्चन किया जाता रहा. इस अवसर पर कन्हैया अग्रहरी पंकज जायसवाल सुरेन्द्र गुप्ता, पंकज अग्रहरी, संजय जायसवाल विष्णु अग्रहरी, सुमित सोनी मनीष जायसवाल सहित अन्य बहुत सारे लोग जलूस का नेतृत्व करते रहें शान्ति बनाये रखने के मद्दे नजर अपर पुलिस अधीचक त्रिभुवन नाथ तिवारी, राजेश राय अमित कुमार सीओ दुद्धि व पिपरी कोतवाल मनोज सिंह शेष नाथ पाल, कमलेश पाल कमल नयन दूबे तथा कई थानो की पुलिस व पुलिस के जवान लगे रहें।

संत नामदेव जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी, दर्जी समाज ने जताया विरोध

रानू

उत्तर प्रदेशः महोबा में संत नामदेव जी महाराज के बारे में यूनिवर्सल पुस्तक में लेखक अंकित केसरवानी सूर्य भान पांडेय पवन चौधरी द्वारा प्रकाशित प्रश्न क्रमांक 24 पर आयोग द्वारा पूछे गये प्रश्न में गलत विकल्प देने और लेखकों द्वारा जो व्याख्या की गई है। वह हमारे संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज के बारे में गलत दी है। विवादित टिप्पणियों को लेकर नामदेव(दर्जी) समाज ने विरोध जताया अखिल भारतीय दर्जी युवा महासभा ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। महासभा के अधिकारियों ने कहा कि संत नामदेव जी महाराज समाज के लिए एक आदर्श संत थे। उन्होंने

सत्य अहिंसा समानता और भाईचारे का संदेश दिया पुस्तक में की गई टिप्पणियां दर्जी समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती हैं। संगठन ने यूनिवर्सल बुक पब्लिशर्स और लेखक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है साथ ही विवादित पुस्तक की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने की मांग की है और प्रकाशक के द्वारा जितनी प्रतियां भेजी है। उनको वापिस मंगाई जाये। महासभा ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान की मांग की है। प्रतिनिधियों ने जिला अधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो समाज आंदोलन करेगा संगठन ने जिला अधिकारी को आपत्तिजनक टिप्पणी और पुस्तक की प्रति भी सौंपी। इस अवसर पर श्री विजय नामदेव संरक्षक उत्तर प्रदेश श्री लोकेंद्र नामदेव युवा प्रदेश महासचिव बुंदेलखंड प्रभारी श्री रमेश नामदेव प्रदेश महासचिव श्री प्रेम प्रकाश नामदेव युवा जिलाध्यक्ष श्री अखिलेन्द्र नामदेव जिलाध्यक्ष श्री लोकेन्द्र नामदेव युवा प्रदेश महासचिव बुंदेलखंड प्रभारी और मयंक जी अभिषेक जी सुभाष जी मोहित जी श्री प्रेम नामदेव श्री गोपी नामदेव जी सैकड़ों नामदेव समाज समेत कई लोग उपस्थित थे।

रामानुजनगर के पटना में निराकरण शिविर संपन्न

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़ः छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहर 2025 में प्राप्त आवेदन, शिकायतों के निराकरण हेतु जिले के कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम पटना में विकास खंड स्तरीय निराकरण शिविर संपन्न हुआ।

विदित हो कि सुशासन तिहार 2025 में गत 8 मई को माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन का औचक भ्रमण विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम पटना में हुआ था। जिसमें जन सामान्य से जुड़ी हुई समस्याएं एवं मांगों का निराकरण हुआ था। किंतु कुछ मांग और समस्या शेष रह गए थे इसके निराकरण के लिए एसडीम (राजस्व) रामानुजनगर के निर्देश पर 18 अगस्त 2025 को ग्राम पटना में समस्त विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में सभी विभाग प्रमुखों के द्वारा 64 आवेदनों का वाचन कर निराकरण कर आवेदकों को जानकारी दिया गया। तथा कुछ मांग समस्याओं में आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने का आग्रह विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया। शिविर में एस.डी.एम. अजय मोडियम, जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह, विधायक प्रतिनिधि संत कुमार साहू, सरपंच विमला सिंह मरावी, जनपद सदस्य सुमित साहू, अनीता सिंह, मानिकचंद सिंह, लखन सिंह, सी.ई.ओ संजय राय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी. एस. लकड़ा, एस डी ओ आर ई एस सुरेंद्र पैकरा, बी.पी.ओ.रविनाथ तिवारी, श्रीराम पोर्ते , डॉ एस.के. त्रिपाठी, खंड कृषि अधिकार प्रफुल्ल गुप्ता, संजय राजवाड़े तथा सभी विभाग प्रमुख, सरपंचगण सचिव, ग्रामीण जन के उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज साहू के द्वारा किया गया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत खेल सप्ताह कार्यशाला का हुआ समापन

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़ः डांडकरवां (प्रतापपुर) के शासकीय आत्मानंद विद्यालय मे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। जिसमें छात्राओं द्वारा निबंध प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता एवं वाद विवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती शारदा सिंह के नेतृत्व में किया गया।

जिसमें कन्या भ्रूण हत्या निषेध अधिनियम, बाल विवाह, घरेलू हिंसा अधिनियम, गुड टच बैड टच, सखी वन स्टॉप कार्य स्थल पर महिलाओं का लैंगिंग उत्पीडन अधिनियम 2013 एवं महिला हेल्प लाइन नंबर 181, 1098, 112 की जानकारी दिया गया। कार्यक्रम में युनिसेफ जिला समन्वयक श्री हितेश निर्मलकर द्वारा बाल संरक्षण अधिनियम 2015, पढ़ाई का कोना, रूप नहीं गुण एवं लैंगिक अपराध इत्यादि के विषय में अन्य जानकारियां दिया गया। साथ ही जेण्डर विशेषज्ञ पूनम राजवाड़े द्वारा समस्त छात्राओं को बाल विवाह निषेध की शपथ दिलाई गई।

विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों के सहयोग सफल आयोजन किया गया। जेण्डरर विशेषज्ञ पूनम राजवाड़े एवं सलोमी कुजुर द्वारा खेल सप्ताह कार्यक्रम के अंतिम कार्यशाला का आयोजन अत्यधिक उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ।

भरत वाखला ने टिकट की मांग समेत रखी कुछ शर्तें

राजपूत रणजीत

गुजरातः दाहोद में भाजपा जल्द करेगी कार्रवाईबच्चू खबड़ के धुर विरोधी को भाजपा में लाने की तैयारीः भरत वाखला ने टिकट की मांग समेत कुछ शर्तें रखीं, दाहोद में भाजपा जल्द करेगी ऑपरेशन पूरा

गुजरात के विभिन्न ज़िलों में हुए मनरेगा घोटाले की गूँज संसद तक पहुँच गई है। यहाँ तक चर्चा थी कि इस घोटाले में सबसे ज्यादा शामिल रहे मंत्री बच्चू खाबर का इस्तीफा भी ले लिया जाएगा। लेकिन अब भाजपा उनके निर्वाचन क्षेत्र देवगढ़बारिया में एक बड़ा राजनीतिक ऑपरेशन कर रही है गुजरात भारत निविदा लाइन समाचार

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने जनसंवाद में ग्रामीण समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

योगेंद्र कुमार

उत्तर प्रदेशः नोएडा विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा पंकज सिंह ने बुधवार को जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया यह कार्यक्रम गांव गढ़ी चौखंडी के बारात घर में आयोजित किया गया इस दौरान स्थानीय निवासियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से विधायक को अवगत कराकर उसका समाधान करने की मांग की जनता द्वारा बताई गई समस्याओं को सुनने के बाद विधायक ने कार्यक्रम में मौजूद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्र में जो भी समस्याएं हैं उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए

कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव ने किया इस दौरान भारतीय जनता पार्टी से जिला अध्यक्ष महेश चौहान चंदग्राम यादव अमित त्यागी प्रमोद बहल ओमवीर अवाना मनीष तिवारी अशोक मिश्रा मनोज चौहान विपुल शर्मा कालू पंडित बबलू यादव देवेंद्र शर्मा प्रवीण चौहान आकाश चौहान

आदि एवं ग्राम गढ़ी चौखंडी से मदन यादव मेसी यादव रतनपाल यादव शीशन यादव लीलू तोमर रमेश यादव राजू मास्टर सुशील तोमर मोनू यादव तेज सिंह तोमर जगत यादव ओमवीर यादव राजेश यादव मोहित शर्मा कपिल यादव आकाश यादव हरेंद्र तोमर तरुण यादव महावीर चौहान सोनू यादव राजेंद्र यादव राहुल यादव अनिल विश्वकर्मा मुकेश प्रजापति रमेश शर्मा रणवीर यादव वेदन यादव सुशील यादव भागमल शर्मा जय भगवान यादव विजयपाल यादव लाला यादव महेश यादव धर्मपाल प्रधान प्रकाश पाल जोगिंदर कुमार ललित शर्मा संजीव यादव संदीप कुमार संजय यादव गुलाब सिंह मुनेश यादव अमित यादव बबलू यादव रवि यादव हरेंद्र यादव रणजीत सिंह यादव आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

जनपद बलिया - बेल्थरा रोड पर महावीरी झंडा जुलूस में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अरुण कुमार प्रजापति/उत्तर प्रदेशः बेल्थरारोड में मंगलवार दिनांक 19/08/2025 को निकलने वाले महावीरी झंडा जुलूस की सुरक्षा के लिए पुलिस-प्रशासन ने व्यापक प्रबंध किए हैं। जुलूस मार्ग पर सीओ रसड़ा आलोक कुमार गुप्ता, उभांव थानाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंह और सीयर पुलिस चौकी प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने नगर का भ्रमण किया। जुलूस में क्षेत्रीय जनता सहित पड़ोसी जिलों के श्रद्धालुओं की भी भारी भीड़ उमड़ती रही इस बीच जुलूस में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के दृष्टिगत जिला प्रशासन ने पांच क्षेत्राधिकारी, 24 निरीक्षक, 40 उप निरीक्षक, 242 कांस्टेबल, 32 महिला कांस्टेबल सहित एक कंपनी पीएसी और पुलिस मित्र भी तैनात किए गए है। महावीरी जुलूस से शुरू हुआ हाथी झ्र घोड़े के साथ विभिन्न स्थानों से निकले आधा दर्जन से अधिक महावीरी झंडा को देखने के लिए जो जहां था वहीं ठहर गया। चारों तरफ महावीर जी की प्रतिमा के साथ निकले इन जलूस को देखने के लिए लोगों का हुजूम सड़क पर उमड़ पड़ा। जलूस में शामिल युवकों के पारंपरिक लाठी डंडों के साथ दिखाए जा रहे युद्ध कला के प्रदर्शन ने हर किसी में जोश भर दिया। महावीरी जलूस को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था पुलिस बल के साथ पुलिस मित्र ऑर्गनाइजेशन के। पुलिस मित्र भी मौजूद रहे. नगर के हर चौक-चौराहों पर भी पुलिस मित्र, पुलिस कर्मी तैनात रहे। महावीरी जलूस का मेला देर रात तक चलता रहा।

जलूस के हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी।

आपको बता दें कि बेल्थरा रोड नगर में प्रत्येक वर्ष श्री मानस मंदिर दुर्गा पूजा एवं महावीरी झंडा समिति और यूनाइटेड क्लब दुर्गा पूजा एवं महावीरी झंडा समिति द्वारा महावीरी झंडा जुलूस निकाले जाते हैं। वहीं स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर में किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुविधा की व्यवस्था की गई है।

हरिद्वार के आरती होटल में सफाई मजदूर संघ रजिस्टर्ड की बैठक सम्पन्न, पूर्व राज्य मंत्री संतोष गौरव रहे शामिल

घनश्याम दास/उत्तराखंडः दिनांक 18/8/2025 को शिव मूर्ति चौंक के निकट होटल आरती में उत्तराखंड सफाई मजदूर संघ रजिस्टर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जो सफाई मजदूरों व समाज की समस्याओं पर आयोजित की गई,और उनके समर्थन में समाधान के लिए पूर्ण से रुप से रुप रेखा बनाई गई तत्पश्चात काफी वक्तव्यों के साथ बैठक संपन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री आदरणीय संतोष गौरव जी उपस्थित रहे। बैठक में समाज की समस्याओं पर विचार हुआ और अध्यक्ष ने समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण करने का आश्वासन दिया बैठक में उपस्थित गढ़वाल मंडल अध्यक्ष जितेंद्र तेश्वर एवं हरिद्वार जिला अध्यक्ष कन्हैया चंचल, मीडिया प्रभारी आरती डॉन, एवं महिला मंडल की जिला अध्यक्ष दीपा, पूनम, रेखा, सीमा, और समाज के सभी सम्मानित गण उपस्थित रहे।

वडोदरा के भद्रवा में सरपंच और पंचायत सदस्य के परिवार के बीच झगड़ा

प्रभेश मिश्रा/गुजरातः सरपंच के बेटे ने लोगों को कार से कुचलने की कोशिश की पानी के लिए भाजपा के दो गुटों में 'पानीपत'; वडोदरा के भद्रवा में सरपंच और पंचायत सदस्य के परिवार के बीच मारपीट; सरपंच के बेटे ने कार से लोगों को कुचलने की कोशिश की

वडोदरा ज़िले के सावली तालुका के भद्रवा गाँव में 16 अगस्त को पानी के मुद्दे को लेकर भाजपा से जुड़े दो गुटों के बीच झगड़ा हो गया। एक महिला सरपंच के परिवार और गुजरात प्रदेश किसान मोर्चा के कार्यकारी सदस्य व एक मौजूदा पंचायत सदस्य के परिवार के बीच सरेआम हाथापाई हुई। इस घटना में महिला सरपंच के बेटे ने लोगों को कार से कुचलने की कोशिश की, जिसमें कार की चपेट में आकर दो महिलाएँ गिर गईं। इस पूरी घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। फि लहाल, दोनों गुटों ने इस घटना को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए भद्रवा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

बबराला में धूमधाम से मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेशः डी.ए.वी. फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला, जिला संभल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभातफेरी से हुई, जिसमें एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर नगर भ्रमण किया और देशभक्ति गीतों व नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। मुख्य समारोह विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित हुआ, जहाँ विद्यालय के चेयरमैन एवं यारा फर्टिलाइजर फैक्ट्री के उपाध्यक्ष एम. एस. प्रसाद ने ध्वजारोहण किया।

सूरजपुर में रजत महोत्सव का भव्य शुभारंभ

सीएम विष्णु देव साय ने वर्चुअली किए 211 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के गौरवशाली अवसर पर आज जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा तिलसिवां में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ एवं विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम की वर्चुअल रूप में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ,श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, वन विकास निगम अध्यक्ष श्री राम सेवक पैकरा ने भी सभा को संबोधित किया और छत्तीसगढ़ की प्रगति यात्रा में वाजपेयी जी के योगदान को याद किया। इसके अलावा कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणि पैकरा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह एवं सरपंच श्रीमती बिमला सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा, सरगुजा आई जी श्री दीपक झा, कलेक्टर श्री एस जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

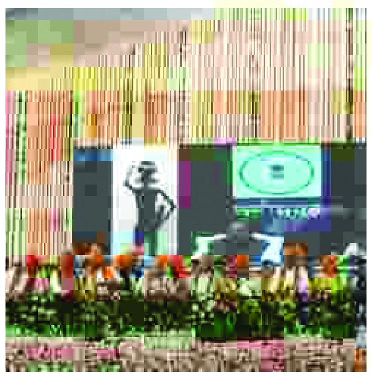

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम के दौरान सभा को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हम सभी रजत जयंती वर्ष मना रहे है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती वर्ष मना रहा है, जो फरवरी 2025 तक जारी रहेगा। इस दौरान प्रत्येक विभाग द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अवसर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। बीते 25 वर्षों में राज्य ने विकास के अनेक आयाम छुए हैं और अब हमें नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने सभी नागरिकों से एकजुट होकर प्रदेश को प्रगति की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का आह्वान किया।

इस रजत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर के नए बस स्टैंड स्थित अटल परिसर में भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का वर्चुअली अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि 'छत्तीसगढ़ राज्य के निमार्ता अटल जी को नमन करता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर यहां के लोगों को एक नई पहचान दी। वे देश और प्रदेश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे। उन्होंने वाजपेयी जी के राजनीतिक जीवन, काव्य प्रतिभा एवं राष्ट्रहित में किए गए कार्यों का स्मरण किया। उन्होंने बताया कि उनकी स्मृति में सरकार द्वारा अटल निर्माण वर्ष मनाया जा रहा है, जिसके लिए 4 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए श्री साय ने बताया कि विगत 20 महीनों में मोदी की गारंटी के तहत अनेक जनकल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। इनमें धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से, 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता, तेंदूपत्ता संग्राहकों को पुनः चरण पादुका वितरण, किसानों को धान बोनस, 5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद, श्रद्धालुओं के लिए रामलला दर्शन योजना, बुजुर्गों के लिए 19 तीर्थ स्थलों की यात्रा, तथा अटल डिजिटल सेवा केन्द्रों की स्थापना शामिल है। उन्होंने बताया कि आगामी छह माह में 5 हजार पंचायतों में ये केंद्र खोले जाएंगे।

नक्सल उन्मूलन पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त करने के प्रयास तेज गति से चल रहे हैं और मार्च 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य है। उन्होंने जानकारी दी कि कुख्यात नक्सली बसवराजू का सफाया किया गया है तथा बड़ी संख्या में सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा श्री साय ने जल जीवन मिशन के तहत गांवों व शहरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने, सड़कों के सुधार और स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए सूरजपुर प्रशासन की सराहना भी की।

इस रजत महोत्सव के अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने स्थापना के 25 वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेई के प्रतिमा के अनावरण पर उपस्थित सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की ही देन है। उन्हीं के द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरूआत की गई, जिससे गांव-गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ा गया और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर जिले को 211 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। निश्चित रूप से इन कार्यों से सूरजपुर जिले का सर्वांगीण विकास होगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निरंतर जनहित एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पुल-पुलियों, पेयजल आपूर्ति और शहरी विकास के क्षेत्र में हुए कार्यों से न केवल ग्रामीण अंचलों में कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि नगरीय निकायों में भी आधारभूत संरचना का तेजी से विस्तार हुआ है।

श्री साव ने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में सरकार का लक्ष्य हर गांव और हर शहर तक बेहतर सड़क, स्वच्छ पेयजल और सुदृढ़ नगरीय सुविधाएँ पहुँचाना है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे मिलकर छत्तीसगढ़ को देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी बनाने में सहयोग दें।

भटगांव में महिला ने पहले घर में लगाया ताला, फिर फंदे से लटक कर दी जान

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: महिला का शव उस समय फंदे पर लटका मिला जब घर पर कोई नहीं था। उसका बेटा स्कूल से घर आया तो घर में ताला लगा देखा और आस-पड़ोस के घरों में जाकर अपनी मां के बारे में पूछा। इसके बाद खोजबीन के दौरान घर में ही महिला का शव मिला है। वार्ड नंबर-7 निवासी पप्पू निषाद पत्नी पिंकी देवी (30 वर्ष) और दो बच्चों के साथ रहता है। आज जब उसका बड़ा बेटा स्कूल से घर आया तो घर में ताला लगा देखा तो आस-पड़ोस के घरों में जाकर अपनी मां, पिता के बारे में पूछा कि कहां गए हैं या चाबी देकर गए हैं। किसी से कोई जानकारी नहीं मिलने पर पड़ोस की एक महिला से अपने पिता को फोन करवाया। पप्पू निषाद ने बताया कि उनको पड़ोसियों तथा बेटे का फोन आया कि पत्नी का कुछ पता नहीं चल रहा है। पड़ोसियों से कोई जानकारी नहीं मिलने पर पप्पू निषाद के बेटे ने घर के अंदर झांक कर देखा तो पाया पिंकी देवी का शव फांसी के फंदे से लटक रहा था। पप्पू निषाद के कहने पर आस-पड़ोस के लोगों ने घर का ताला तोड़ा और पप्पू निषाद को जानकारी दी कि उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई है तथा फांसी के फंदे पर लटकी हुई है। सूरजपुर से लौटकर पप्पू निषाद ने भटगांव थाना जाकर पुलिस को मामले की जानकारी दी। पप्पू निषाद की शिकायत पर भटगांव पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के बैनर तले उपजिलाधिकारी रामपुर मनिहारान को सौंपा ज्ञापन

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: शासनादेश होने के बावजूद भी तहसील से कोरी समाज के जातीय प्रमाणपत्र जारी न होने के संबंध में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद/राष्ट्रीय बजरंग के नेतृत्व में 21/ अगस्त दिन बृहस्पतिवार को कोरी समाज की समस्याओं के समाधान हेतू एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी तहसील रामपुर मनिहारान को सौंपा गया। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष विकास सैनी ने कोरी समाज लोगों के साथ तहसील परिसर पहुंचकर कोरी समाज के हितों का ज्ञापन उपजिलाधिकारी अपूर्वा शर्मा को सौंपा। उन्होंने कहा कि तहसील रामपुर मनिहारान से कोरी समाज के प्रमाणपत्र जारी न होने कारण स्कूलों में समाज के छात्र व छात्राओं को प्रवेश में कड़ी परेशानी का सामना करना पड रहा है। तथा समाज का शौषण किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष विकास सैनी ने कहा कि स्पष्ट शासनादेश होने के बावजूद भी तहसीलों द्वारा कोरी समाज के जातीय प्रमाणपत्र जारी न करके इस प्रकार की समस्याओं का होना कहीं ना कहीं प्रशासन को संदेह के घेरे में खड़ा करती हैं व कोरी समाज के जातीय प्रमाणपत्र जारी न होने और बच्चों का स्कूली प्रवेश ना होने पर उनका भविष्य एक अंधकार की ओर जा रहा है जो अनुचित है। इस स्तिथि में कोरी समाज के जातीय प्रमाणपत्र जारी होना आवश्यक है। जिलाध्यक्ष विकास सैनी ने कोरी समाज को आश्वस्त किया कि वह अपने संगठन के सहयोग से हर पल कोरी समाज के साथ हैं।

डॉक्टर संदीप कोरी सोना अर्जुनपुर ने कहा कि यदि कोरी समाज के बच्चों छात्र-छात्राओं के जातीय प्रमाणपत्र जारी नही किये जाते हैं तो कोरी समाज के लोगों को मजबूरन धरना-प्रदर्शन,आंदोलन करना पड़ेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उपजिलाधिकारी अपूर्वा शर्मा तहसील रामपुर मनिहारान ने समस्याओं के निराकरण के लिए 15 दिन का आश्वासन दिया। डॉक्टर संदीप कोरी ने समस्याओं के निदान पर बात करने को लेकर दो लेखपालों पर आना-कानी करने का भी आरोप लगाया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष विकास सैनी,डॉक्टर संदीप कोरी,जगमोहन, शक्ति सिंह ब्लॉक अध्यक्षआर,बी,डी,शिवचरण, प्रदीप, रविंद्र, नीतीश, इंद्रपाल, मेमों, कविता,एकता,बबीता,मुनेश, मोहन,राजीव,जयप्रकाश, कमल कोरी,राहुल कोरी व आदि लोग बड़ी तादाद में मौजूद रहे।

एक नजर

ललितपुर में चकबंदी कार्य की समीक्षा बैठक, डीएम ने दिए तेजी लाने के निर्देश

प्रवीण कुमार जैन/उत्तर प्रदेश: जिलाधिकारी ललितपुर @DMLalitpur एवं चकबंदी आयुक्त @AmanDeepDuli ने चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में निर्देश दिए गए कि जनपद में चकबंदी कार्य को गति प्रदान की जाए और किसानों से संबंधित सभी चकबंदी परिवादों की ससमय सुनवाई कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।डीएम ने स्पष्ट कहा कि चकबंदी का कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा होना चाहिए ताकि कृषकों को अधिक सुविधा मिल सके।

मुंदी-पुनासा मार्ग पर 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

राधेश्याम गुर्जर/मध्य प्रदेश: खंडवा जिला तहसील पुनासा नगर मुंदी ग्राम गोंडखेड़ी एवं पीपल कोटा के बीच की घटनागोंडखेड़ा निवासी 50वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

मुंदी मुंदी थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को मुंदी पुनासा मार्ग पर गोंडखेड़ा के पास एक 50वर्षीय व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी फेल गई।घटना मंगलवार की रात की बताई जा रही है।बुधवार को सुबह पुलिस को सूचना मिली कि गोंडखेड़ा के जंगल में सडक किनारे एक व्यक्ति की लाश पड़ी हुई है घटना की सूचना मिलने पर मुंदी थाने की टीम घटना स्थल पर पहुंची और शव को कब्जे मे लेकर मृतक के बारे में छानबीन शुरू कर शव के पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मुंदी पहुंचाया।

बताया जाता है कि कमल अपने खेत में बने मकान में अकेला रहता था उसकी मौत किन परिस्थिति में हुई है इसका खुलासा नहीं हो सका पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान कमल पिता मानसीह आयु 50साल निवासी गोंडखेड़ा के रूप मे होने पर पुलिस ने परिजनों को सुचना दी। मृतक का चेहरा राखड से भरा था सड़क किनारे पड़ा था शरीर, सुबह लोगो ने देखा. मृतक खेत में बने मकान में रहता था कैसे मौत हुई पीएम के बाद पुलिस जांच में खुलासा होगा।

जेल में रहने के बाद भी टिकटॉक स्टार कीर्ति के बर्ताव में नहीं आया बदलाव

दीवान फरुक्शा महबूबशा/गुजरात: दो महीने पहले, टिकटॉक और सोशल मीडिया स्टार कीर्ति पटेल को सूरत में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से ही कीर्ति पटेल किसी न किसी वजह से चर्चा में रही हैं। आज, वह अपने असामान्य व्यवहार के लिए फिर से चर्चा में हैं। आज उन्हें अदालत में पेश किया गया, और हमेशा की तरह, वह शांति बनाए रखने में नाकाम रहीं।

इस बार उनके हाथ में बाल गोपाल की मूर्ति थी, लेकिन उनके चेहरे पर गुस्सा और आक्रामकता साफ दिखाई दे रही थी। उन्होंने वीडियो बनाने वाले से कहा, "वीडियो बनाओ, शोर मचाओ..., ले लो और भाड़ में जाओ... पास आओ।"गौरतलब है कि गिरफ्तारी के अगले ही दिन वह पुलिस के सामने अपनी हंसी के कारण चर्चा का केंद्र बन गई थी।

उसके बाद जब उसे कोर्ट से जेल ले जाया गया, तो उसका एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें वह मदहोश होकर चलती हुई दिखाई दे रही थी। जिसके बाद कोर्ट से जेल जाते हुए उसने अपने चेहरे पर बंधा दुपट्टा हटाया और वहां मौजूद वीडियो बनाने वाले से कहा- 'लो, ये वाकई कमाल है।'

जनपद संभल डी ए वी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल बबराला ने जीते 63 पदक

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: गेल डीएवी पब्लिक स्कूल, दिबियापुर, औरैया में आयोजित डीएवी स्पोर्ट्स क्लस्टर टूनार्मेंट (अंडर-14, 17 एवं 19) का समापन आज विवेकानंद खेल मैदान में शानदार तरीके से हुआ। द्विदिवसीय इस खेल महाकुंभ में लगभग 300 खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी और शतरंज जैसी स्पधाओं में अपना दमखम दिखाया।

प्रतियोगिता में डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 63 पदक (39 स्वर्ण, 22 रजत एवं 2 कांस्य) जीते और विद्यालय को ओवरऑल रनर-अप तथा एथलेटिक्स रनर-अप ट्रॉफी दिलाई। खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन में वसु वर्शेंय ने स्वर्ण, जबकि सुमुख पाण्डेय और दिव्या बिष्ट ने रजत पदक जीते। एथलेटिक्स में अभिषेक कुमार ने लंबी कूद व 100 मीटर में स्वर्ण जीतकर सर्वश्रेष्ठ एथलीट (अंडर-14) का खिताब पाया। वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में सौम्या यादव सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुनी गईं। निपुण वर्शेंय, दक्ष कुमार और आयुष कुमार सहित अनेक खिलाड़ियों ने भी स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य श्री आनंद स्वरूप सारस्वत ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने अनुशासन, परिश्रम और टीम भावना के बल पर यह सफलता अर्जित की है। खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है, जो बच्चों को आत्मविश्वास और नेतृत्व प्रदान करता है। विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन श्री एम.एस. प्रसाद जी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। हमारे खिलाड़ियों ने विद्यालय और क्षेत्र का मान बढ़ाया है तथा भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही सफलता प्राप्त करेंगे।

मंडल स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में गोरखपुर का दबदबा, प्रथम स्थान हासिल

चंद्र प्रकाश मौर्य

उत्तर प्रदेश: चौरी चौरा क्षेत्र के बसडिला स्थित लेडी प्रसन्न कौर इंटर कॉलेज में आयोजित एकदिवसीय जनपद एवं मंडलीय कराटे प्रतियोगिता में गोरखपुर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं, देवरिया जिला द्वितीय स्थान पर रहा। गोरखपुर और देवरिया के कुल 60 खिलाड़ियों ने इस मंडलीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी अब 17 से 20 अगस्त तक मेरठ में होने वाले राज्य स्तरीय स्कूल नेशनल गेम्स में गोरखपुर मंडल टीम की ओर से खेलेंगे और उत्तर प्रदेश स्कूल कराटे टीम में स्थान बनाने का मौका पाएंगे।

इससे पहले आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में चौरी चौरा तहसील प्रथम, गोरखपुर महानगर द्वितीय, सदर पूर्वी तृतीय और बांसगांव तहसील चतुर्थ स्थान पर रही थी। लेडी प्रसन्न कौर इंटर कॉलेज के खेल प्रशिक्षक सी.पी. सर ने प्रतियोगिता की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश मणि त्रिपाठी ने खिलाड़ियों को खेल से जुड़ी अहम जानकारियाँ दीं और उन्हें राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया। गोरखपुर के सांकृत्यायन इंटर कॉलेज के कराटे कोच चंद्र प्रकाश मौर्य एवं इंटरनेशनल प्लेयर व गोल्ड मेडलिस्ट शंकर यादव के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया। वंशिका पांडेय और श्वेता कनौजिया ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोरखपुर का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के समापन पर आयोजकों ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। निर्णायक मंडल में जिला कराटे संघ के सचिव अभिषेक जायसवाल, कोषाध्यक्ष भागवत पटेल, अभिषेक गुप्ता और उनकी टीम ने जिम्मेदारी निभाई।

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति पर सहमति क्यों नहीं?

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए सत्ताधारी भाजपा-एनडीए और विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन के बीच सर्वसम्मति नहीं बन पाई। अपेक्षा की जाती रही है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर सरीखे पदों को सर्वसम्मति के साथ तय किया जाए। उन पर चुनाव नहीं होने चाहिए, क्योंकि वे पक्ष और विपक्ष के 'साझा चेहरे' माने जाते हैं। वे अपने पदों पर संवैधानिक शीर्ष होते हैं, जिनसे न्याय की उम्मीद पक्ष और विपक्ष दोनों ही करते हैं, लेकिन भारतीय लोकतंत्र की विडंबना है कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरीखी 'राष्ट्रीय हस्ती' पर भी सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी, नतीजतन राष्ट्रपति पद का चुनाव कराना पड़ा था। सर्वसम्मत संवैधानिक चेहरा शायद ही कोई हो, हमें ध्यान नहीं। इसका बुनियादी कारण यह है कि सरकार और विपक्ष के दरमियान संवैधानिक और वैचारिक नहीं, बल्कि नफरत, खीझ, चिढ़ की विभाजक रेखाएं होती हैं। अब भी प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने साफ कहा है कि उपराष्ट्रपति पर सर्वसम्मति भाजपा-आरएसएस के कारण नहीं हुई। भाजपा 'लाठीतंत्र' से इस देश को चलाना चाहती है। वह कांग्रेस होने नहीं देगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए जिस शख्स को चुना गया है, वह आरएसएस के स्वयंसेवक रहे हैं। जनसंघ-भाजपा के सदस्य और सांसद रहे हैं। तमिलनाडु में उन्होंने भाजपा का नेतृत्व भी किया है। वह पूरी चेतना के साथ 'संघी' हैं, लिहाजा पदासीन होने के बावजूद उनसे तटस्थता की उम्मीद नहीं की जा सकती। विपक्षी 'इंडिया' ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश एवं गोवा के लोकायुक्त रहे, संविधानविद और गैर-राजनीतिक शख्स जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। यह विपक्ष का संवैधानिक अधिकार भी है।

बेशक विपक्ष 'अराजनीतिक' का दावा करे, लेकिन रेड्डी को इसी आधार पर चुना गया है, ताकि आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरीखे दलों के लिए 'धर्मसंकट' की स्थिति पैदा हो और अंततः वे विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन देने को बाध्य हो जाएं! कांग्रेस की यह राजनीतिक गणना नाकाम रही, क्योंकि चंद्रबाबू नायडू, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव के दल भाजपा-एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को अपना समर्थन घोषित कर चुके हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु के 'कोंगु वेल्लालर' समुदाय से आते हैं। हालांकि उन्होंने 1998, 1999 में कोयंबटूर सीट से संसदीय चुनाव जीता, लेकिन 2004, 2014, 2019 के लोकसभा चुनावों में वह लगातार हारे। अब भाजपा की निगाह पश्चिमी तमिलनाडु या 'कोंगु पट्टी' के मतदाताओं पर है, लेकिन तमिलनाडु में राधाकृष्णन को शांत, सरल, सज्जन और कम बोलने वाला नेता तो माना जाता है, लेकिन 'सीपी' (उनका लोकप्रिय नाम) को करिश्माई नेता नहीं माना जाता। वह प्रधानमंत्री मोदी के बहुत करीब हैं और यह दोस्ताना करीब 40 साल का है, लेकिन 'सीपी' को आरएसएस की पसंद नहीं माना जा रहा है। अलबत्ता उन्हें चुन लिया गया है। भाजपा के अलावा सहयोगी दलों के सांसदों ने भी उनके नाम पर मुहर लगा दी है। अब सीपी राधाकृष्णन का देश का उपराष्ट्रपति बनना लगभग तय है। सांसदों का बहुमत कुछ ऐसा ही है। संसद के दोनों सदनों में कुल 782 सांसद हैं, लिहाजा 392 बहुमत है, जो जीत का आंकड़ा भी है। 2022 में धनखड़ को 528 वोट मिले थे और विपक्ष की मारग्रेट अल्वा 183 पर ही सिमट गई थी। इस बार भाजपा-एनडीए के पक्ष में कुल 423 सांसद हैं और 'इंडिया' के 355 सांसद बताए गए हैं।

यह सुधार नहीं करेक्शन है

-अरविन्द मोहन-

जीएसटी ने इसके साथ मिलकर छोटे उद्यमियों की कमर तोड़ दी क्योंकि उनके लिए इस व्यवस्था के लिए जरूरी तकनीकी ज्ञान वाला एकाउंटेंट रखना संभव हुआ न क्रेडिट सिस्टम के अपने अदानों के खर्च के आधार पर कर माफी का आवेदन करना। इस क्रेडिट और कर वसूली के हिसाब को साथ पेश करके रिफंड मांगना और भी जटिल पहेली है।

लाल किले से प्रधानमंत्री द्वारा जीएसटी दरों में कमी की तैयारी वाली घोषणा के बाद से बाजार उछल रहा है, कंपनियां मन ही मन मलाई खाने लगी हैं, अर्थशास्त्री इसे आर्थिक सुधार का रुका हुआ फैसला या दूसरी खेप बताने लगे है और अर्थव्यवस्था को होने वाले 'लाभ' को लेकर तरह-तरह के अनुमान लगाए जा रहे हैं। आधिकारिक बैठकों का दौर भी शुरू हो चुका है और उम्मीद है कि 20 और 21 तारीख को होने वाली राज्यों के वित्त मंत्रियों की बैठक में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन बदलाओं की घोषणा कर दें। वैसे प्रधानमंत्री की घोषणा के तत्काल बाद ही यह खबर भी आ गई कि आम तौर पर 12 फीसदी रेट घटकर 5 फीसदी और 28 फीसदी वाला रेट कम करके 18 फीसदी कर दिया जाएगा। इसके बाद छोटी कारों फ्रिज, टीवी वगैरह के सस्ते होने के अनुमान मोटे-मोटे अक्षरों में बताए जाने लगे कि कारों के 75 हजार सस्ता होने का अनुमान है तो दीपावली के अवसर के लिए स्टाक बढ़ाने की खबर भी स्वाभाविक है। बाजार और आम लोगों में स्वागत का माहौल होना स्वाभाविक है।

लंबी चर्चा और मतभेदों के चलते रुके पड़े जीएसटी का फैसला शुरू से विवादों में रहा है। बहुत तरह के उत्पाद करों और वैट की जगह जीएसटी लगाए जाने के मोदी सरकार के फैसले के बाद से ही उस पर कईतरह की आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं और उसे लेकर तकलीफ की शिकायत भी आम रही है। किस चीज पर कर बढ़ा किस पर घटा यह लिस्ट तो बहुत बड़ी है लेकिन पाठ्यपुस्तकों समेत कुछ ऐसी चीजों को पहली बार कर के दायरे में लिया गया जिसे अभी तक कभी कर वसूलने की चीज नहीं माना गया था। यह भी हुआ कि वही चीज खुले में, डिब्बे में या टेबल पर सर्व होने के साथ-साथ तीन-तीन दर पर टैक्स वसूलने का माध्यम बनी। होटल में खाने पर सर्विस टैक्स है या नहीं यह आज तक विवाद का विषय ही रही। फिर भी मामले लोकल टैक्स के लिए छोड़ देने से भी एक रेट पर देश भर में कर वसूली की बात हवाई ही रही। और यह मात्र संयोग है कि जब जीएसटी का फैसला हुआ था उसे आसपास प्रधानमंत्री ने नोटबंदी लाकर पूरी अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया था। मोटा अनुमान है कि उससे हमारी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई-करीब दो फीसदी की। जीएसटी ने इसके साथ मिलकर छोटे उद्यमियों की कमर तोड़ दी क्योंकि उनके लिए इस व्यवस्था के लिए जरूरी तकनीकी ज्ञान वाला एकाउंटेंट रखना संभव हुआ न क्रेडिट सिस्टम के अपने अदानों के खर्च के आधार पर कर माफी का आवेदन करना। इस क्रेडिट और कर वसूली के हिसाब को साथ पेश करके रिफंड मांगना और भी जटिल पहेली है और आंकड़ों का 'मिसमैच' जहां व्यवसायी का पैसा उलझा देता है, कर विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त आमदनी का अवसर बन जाता है। ये मामले कितनी बड़ी संख्या में हैं और कितनी बड़ी मात्रा में रिफंड जाता है यह हिसाब किसी को भी चकरा देगा। लेकिन असल में यह इस कर प्रणाली में मौजूद दोष को ही बताता है। जिस पैसे को बाद में लौटाना है वह वसूला ही क्यों जाए? और यह बात आसानी से कही जा सकती है कि सरकारी फैसला कर में कमी का होगा, झमेलों में कमी का नहीं। सरकार पूरी प्रक्रिया पर पुनर्विचार नहीं कर रही है, कोई रुका हुआ सुधार नहीं आने वाला है। यह मात्र एक करेक्शन है। कल के सुपर दोस्त और आज के दुश्मन नंबर एक ट्रम्प महाराज के फैसलों ने इसकी जरूरत बनाई है और सरकार ने भी जल्दी से हां किया है क्योंकि इस करेक्शन की जरूरत बढ़ गई है। ट्रम्प के फैसलों से पूरा आर्थिक माहौल भारी उदासी और अनिश्चितता से भर गया है। बाजार के जानकारों का मानना है कि अगर अभी घोषित सारे रेट उसी तरह लागू हुए तो जीएसटी वसूली में 8.6 फीसदी की कमी आएगी जो केंद्र और राज्यों के राजस्व का मात्र 0.25 फीसदी ही रहेगा और अगले वित्त वर्ष में यह 0.12 फीसदी फी रहेगा। अगर करखनिया उत्पादन और सेवा क्षेत्र ने कर घटाने से अपने कामकाज में सुधार किया तो यह कमी भी खत्म हो जाएगी और सरकार कर वसूली की परेशानियों या कर ढांचे के स्वरूप में बदलाव इसलिए नहीं करेगी क्योंकि जीएसटी ने हर छोटे बड़े व्यवसायी और सेवादार को इनफारमल सेक्टर से निकालकर फार्मल सेक्टर में ला दिया है और सूचना तकनीक के नेटवर्क की निरंतर निगरानी में पहुंचा दिया है।

'इतिहास की सीख छोड़ फ्रेम में उलझा युवा वर्ग'

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

भारत का इतिहास किसी सुखद घटनाओं की लड़ी नहीं है। इसमें युद्ध, संघर्ष, विद्वेष, विभाजन और बँटवारा है। लेकिन इन्हीं अंधेरे अध्यायों के बीच स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा भी है। 1857 से 1947 तक का काल केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, वह साहित्य का भी स्वर्णकाल था। स्वतंत्रता संग्राम और साहित्य जैसे एक-दूसरे में घुल गए थे। कवि, लेखक और कलाकार केवल दर्शक नहीं थे, बल्कि वे इतिहास के सह-निमार्ता थे। उनके गीत, कविताएँ और उपन्यास आम जनमानस में ऊर्जा और चेतना जगाते थे।

पीढ़ी 1990 के बाद पैदा हुई, उसके हिस्से 'इतिहास' कम 'फ्रेम' ज्यादा आए। मोबाइल, कैमरा और सोशल मीडिया की दुनिया ने उन्हें घटनाओं की गहराई में जाने की बजाय केवल सतही फ्रेम और दृश्य-छवियों तक सीमित कर दिया। आज का युवा वर्ग अतीत के संघर्षों से शिक्षा लेने के बजाय इंस्टेंट फ्रेमों में फँसा है। यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है।

आधुनिकता के उन्माद के बावजूद हमारे सार्वजनिक जीवन में जो शून्यता, दरिद्रता और दिशाहीनता दिखाई देती है, उसके कारण बहुत दूर जाकर नहीं खोजने पड़ते। यह शून्यता दरअसल हमारी स्मृतियों और सांस्कृतिक आत्मबोध के बिखराव से पैदा हुई है। इतिहास हमें बताता है कि क्या हुआ, जबकि साहित्य यह दिखाता है कि क्या हो सकता था और क्या होना चाहिए था। साहित्य को आत्मसत्य इसलिए कहा गया है कि वह मनुष्य को केवल सूचना नहीं, बल्कि अनुभव और मूल्य देता है।

भारत का इतिहास किसी सुखद घटनाओं की लड़ी नहीं है। इसमें युद्ध, संघर्ष, विद्वेष, विभाजन और बँटवारा है। लेकिन इन्हीं अंधेरे अध्यायों के बीच स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा भी है। 1857 से 1947 तक का काल केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, वह साहित्य का भी स्वर्णकाल था। स्वतंत्रता संग्राम और साहित्य जैसे एक-दूसरे में घुल गए थे। कवि, लेखक और कलाकार केवल दर्शक नहीं थे, बल्कि वे इतिहास के सह-निमार्ता थे। उनके गीत, कविताएँ और उपन्यास आम जनमानस में ऊर्जा और चेतना जगाते थे। यही कारण है कि आजादी की लड़ाई केवल तलवार और आंदोलन की गाथा नहीं रही, बल्कि साहित्यिक कृतियों की भी कहानी बनी।

लेकिन यह गौरवशाली परंपरा आज कहीं खो गई है। एक प्राचीन सभ्यता की प्राणवत्ता उसके सांस्कृतिक प्रतीकों और जीवनदायी आस्थाओं में निहित होती है। यही प्रतीक एक समय में हमारे चिंतन, सृजन और व्यवहार को अर्थ प्रदान करते थे। जब यह जीवन्त समग्रता खंडित होकर छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट जाती है, तो वे केवल नामलेवा अनुष्ठानों तक सिमट जाते हैं। पूजा-पाठ तो बचा रहता है, परंतु उससे कोई नयी प्रेरणा नहीं निकलती। आज का भारतीय समाज इसी विडंबना से गुजर रहा है-हमारे पास परंपराएँ तो हैं, लेकिन उनमें जीवन्तता नहीं है।

हम अपने ही देश में आत्मनिर्वासित प्राणियों की तरह जीने को विवश हो गए हैं। हमारी नैतिक मयार्दाएँ, हमारे अध्ययन और हमारे विचार-सब पर विदेशी भाषा और सोच का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। अंग्रेजी का वर्चस्व केवल एक शैक्षिक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक निर्भरता का सबसे बड़ा प्रतीक है।

हजारीप्रसाद द्विवेदी ने इसी पीड़ा को व्यक्त करते हुए कहा था-ह्लअंग्रेजी भाषा ने संस्कृत का सर्वाधिकार छीन लिया है। आज भारतीय विद्याओं की जैसी विवेचना और विचार अंग्रेजी भाषा में हैं, उसकी आधी चर्चा का भी दावा कोई भारतीय भाषा नहीं कर सकती। यह हमारी सबसे बड़ी पराजय है। राजनीतिक सत्ता के छिन जाने से हम उतने नतमस्तक नहीं हैं, जितने अपने विचार की, तर्क की, दर्शन की, अध्यात्म की अपनी सर्वस्व भाषा छिन जाने से। अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में हम अपनी ही विद्या को अपनी बोली में न कह सकने के उपहासास्पद अपराधी हैं। यह लज्जा हमारी जातीय है।

वास्तव में जिसे द्विवेदी जी ने 'उपहासास्पद अपराध' कहा, उसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार भारतीय सम्भ्रांत शिक्षित वर्ग रहा है। उसने अंग्रेजी को श्रेष्ठता और भारतीय भाषाओं को पिछड़ेपन का चिह्न बना दिया। आज स्थिति यह है कि युवा पीढ़ी अपनी ही भाषा में बोलने से हिचकती है, अपनी संस्कृति को आधुनिकता के विपरीत मानती है और साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की किताबों तक सीमित समझती है।

1990 के बाद जन्मी पीढ़ी का संकट यही है। उनके पास सूचनाओं का अंबार है, पर आत्मसत्य नहीं। वे मोबाइल स्क्रीन पर इतिहास की झलकियाँ देखते हैं, पर उसकी गहराई में नहीं उतरते। उनकी चेतना फ्रेमों और क्लिप्स पर आधारित है। इस पीढ़ी ने 'इतिहास' कम और 'फ्रेम' ज्यादा देखे हैं। यही कारण है कि उनमें वह गहराई नहीं है, जो साहित्य और इतिहास से संवाद करने पर आती।

इतिहास से हमें संघर्ष, धैर्य और त्याग की शिक्षा मिलती है। लेकिन फ्रेम हमें केवल तात्कालिक दिखावा और सतही आकर्षण देता है। यही वजह है कि युवा वर्ग की ऊर्जा दिशाहीन होती जा रही है। उनके पास विकल्प बहुत हैं, पर संकल्प नहीं। फ्रेम की दुनिया क्षणभंगुर है-एक फोटो, एक रील, एक क्लिक पल भर में आती है और मिट जाती है। जबकि इतिहास की सीख स्थायी है-वह आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देती है। यदि युवा वर्ग इस आत्मसत्य को समझने में असफल रहा, तो वह न केवल अपने वर्तमान को खो देगा बल्कि भविष्य को भी अंधकारमय कर लेगा।

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं है। यह व्यक्ति और समाज को अपने आत्म से मिलाने वाला माध्यम है। साहित्य हमें बताता है कि हमारी जड़ें कहाँ हैं और हमारे सपनों का आकाश कहाँ तक फैला है। साहित्य के बिना समाज केवल सूचनाओं का ढेर रह जाता है, आत्मबोध और दिशा खो देता है। यही कारण है कि आज साहित्य को पुनः केंद्र में लाने की आवश्यकता है।

आज का प्रश्न यही है-क्या हम इस पीढ़ी को फिर से साहित्य और इतिहास से जोड़ पाएँगे? क्या हम उन्हें दिखा पाएँगे कि संस्कृति कोई बोझ नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार है? यह तभी संभव होगा जब भारतीय भाषाओं को केवल बोलचाल तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें ज्ञान और शोध की भाषा बनाया जाए। नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया के फ्रेम और क्लिक क्षणिक हैं। वे पल भर में आते हैं और गायब हो जाते हैं। लेकिन साहित्य और संस्कृति वे आधार हैं, जिन पर स्थायी आत्मविश्वास खड़ा होता है।

यह पीढ़ी तभी सार्थक होगी जब वह अपनी जड़ों से जुड़कर आधुनिकता को आत्मसात करेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो साहित्य केवल पुस्तकालयों में बंद रह जाएगा और संस्कृति केवल त्योहारों के सजावटी फ्रेम में कैद हो जाएगी। तब हम केवल उपभोक्ता समाज रह जाएँगे, सृजनशील सभ्यता नहीं।

आज आवश्यकता है कि विद्यालय और विश्वविद्यालय साहित्य को केवल परीक्षा का विषय न मानें, बल्कि जीवन का अनुभव मानें। लेखकों और कवियों को पुनः समाज के केंद्र में लाने की जरूरत है। भाषा को बोझ नहीं, गौरव का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। और सबसे बढ़कर, नई पीढ़ी को यह एहसास दिलाना होगा कि साहित्य का आत्मसत्य ही वह शक्ति है, जो उन्हें इतिहास की गहराई और भविष्य की दिशा दोनों देता है।

इतिहास हमें यह दिखाता है कि हमने क्या खोया और क्या पाया। साहित्य हमें यह सिखाता है कि हम क्या हो सकते हैं। यही कारण है कि साहित्य और इतिहास का संबंध इतना गहरा और अविभाज्य है। यदि नई पीढ़ी इस आत्मसत्य से जुड़ने में असफल रही, तो वह न तो इतिहास समझ पाएगी और न ही भविष्य गढ़ पाएगी।

आधुनिकता का उन्माद तभी सार्थक होगा, जब वह साहित्य और संस्कृति की आत्मा से जुड़कर नई रचनात्मकता पैदा करेगा। अन्यथा हम केवल 'फ्रेम' की पीढ़ी रह जाएँगे-जहाँ गहराई नहीं होगी, केवल सतही छवियाँ होंगी। यही इस समय की सबसे बड़ी चेतावनी भी है और सबसे बड़ा समाधान भी।

क्षमा, उदारता, करुणा खास भारतीय पहचान

-सर्वमित्रा सुरजन-

क्षमा, माफी, खुले दिल से विरोधी विचार को स्वीकार करना या उसके लिए स्थान बनाना, जीव मात्र के लिए करुणा, उदारता यह भारतीयता की ऐसी विशिष्ट पहचान है, जिसके उदाहरण भगवानों, देवदूतों से लेकर सामान्य इंसान तक मिलते रहे हैं। लेकिन अब इस खास भारतीय पहचान को मिटाने की कोशिशें तेज हैं। इसे खास पहचान को हर हाल में बचाना होगा।

पिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह उनके आवास पर जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला करने की कोशिश की। घटना के बाद आरोपी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया और मुख्यमंत्री भी सुरक्षित हैं। लेकिन इस प्रकरण पर तरह-तरह के बयान सामने आने लगे। रेखा गुप्ता को थप्पड़ जड़े जाने की खबरें सामने आईं, वहीं दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने तो पत्रकारों से यहां तक कह दिया कि आरोपी ने रेखा गुप्ता को बहुत देर तक जमीन पर गिराकर रखा था। वो शख्स अकेले उन पर हमला करने के इरादे से आया था। इस अतिरेकपूर्ण बयान से समझा जा सकता है कि भाजपा कैसे इस मुद्दे को सनसनीखेज बनाना चाहती है। जनसुनवाई के दौरान लोगों का हुजूम उमड़ा रहता है और मुख्यमंत्री को जेड श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध है, जिसमें लगभग 22-25 सुरक्षाकर्मी होते हैं, जिनमें पीएसओ, एस्कॉर्ट्स, वॉचर्स और लगभग आठ हथियारबंद गार्ड शामिल रहते हैं। मुख्यमंत्री के साथ उनके निजी सहायक, सचिव व अन्य स्टाफ भी मौजूद रहता ही है। ऐसे में यह नामुमकिन है कि कोई निहत्था शख्स मुख्यमंत्री को बहुत देर तक जमीन पर गिराकर रखे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस घटना का दूसरा पहलू बताया है कि, 'जनसुनवाई के दौरान एक शख्स रेखा गुप्ता के पास आया, कुछ कागज उनके आगे रखे और फिर उनका हाथ पकड़कर खींचने की कोशिश की. उस दौरान थोड़ी धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। उनका मानना है कि हो सकता है इसमें मेज का कोना उनके सिर पर लगा हो, जिससे चोट लगी हो। लेकिन मुख्यमंत्री को फौरन अस्पताल ले जाया गया और वे बिल्कुल स्वस्थ हैं। भाजपा अध्यक्ष के इस वक्तव्य के बाद यह जाहिर है कि मनजिंदर सिरसा ने मिथ्यावाचन किया है। लेकिन जब संसद के भीतर केन्द्रीय मंत्री गलतबयानी से बाज नहीं आते हैं, तो फिर बाकी नेताओं से क्या उम्मीद की जाए। कायदे से श्री सिरसा को अपने अतिरेकपूर्ण झूठ के लिए माफी मांगनी चाहिए, लेकिन भाजपा की राजनीति शायद इसकी इजाजत नहीं देगी। वैसे संयोग ही है कि महीने भर पहले ही श्री सिरसा पर गोली चलाने की अफवाह उड़ी थी। दरअसल वे ख्याला इलाके में फैक्ट्री का दौरा करने गए थे तो गली में एक धातु का टुकड़ा मिला, जो दूर से देखने पर खाली कारतूस जैसा लग रहा था। करीब से जांच करने पर पता चला कि यह सिलाई मशीन का हिस्सा है। जिसके बाद खबर फैली कि मनजिंदर सिरसा पर गोली चलाई गई है। हालांकि खुद उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था।

बहरहाल, यह घटना महिला सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर राजधानी में एक महिला मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम महिलाओं की सुरक्षा का दावा सरकार कैसे कर सकती है। रेखा गुप्ता पर हमला करने वाले शख्स से पुलिस पूछताछ कर रही है। आरोपी का नाम राजेश खिमजी बताया जा रहा है, जो राजकोट का रहने वाला है। आरोपी की मां भानुबेन ने पत्रकारों को बताया कि उनका बेटा पशु प्रेमी था, तो हो सकता है कि लावारिस कुत्तों को पकड़ने की जो मुहिम इस समय चल रही है, उस पर नाराजगी में यह कदम उठाया गया हो। हालांकि राजनीति हो या जीवन का कोई भी पहलू किसी भी किस्म की छोटी या बड़ी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। लेकिन हाल-फिलहाल में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिन पर समाज को चिंतित होना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि , 'हमने पहले भी ऐसी घटनाएं देखी हैं जिनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हमलों का सामना करना पड़ा था। उस समय भाजपा उन हमलों का जश्न मनाती थी। अब दिल्ली में एक महिला नेता पर हमला हुआ है। यह बेहद चिंताजनक है और गृह मंत्रालय से सवाल पूछे जाने चाहिए, क्योंकि दिल्ली पुलिस और कानून-व्यवस्था उनके अधीन आती है। अगर नेता ही असुरक्षित हैं तो दिल्ली के नागरिक कैसे सुरक्षित रह सकते हैं? बता दें कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के अलावा कन्हैया कुमार पर भी हमला हो चुका है। वहीं सांसद बनने के बाद कंगना रानौत को विमानतल पर सुरक्षाकर्मी ने नाराजगी में आकर थप्पड़ मारा था। 2012-13 में जब अन्ना हजारे के आंदोलन के कारण मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा चुका था, उस वक्त केन्द्रीय मंत्री शरद पवार के गाल पर चांटा मारा गया था तो अन्ना हजारे ने कहा था केवल एक ही गाल पर क्यों? इस प्रसंग पर मीडिया ने चटखारे लिए थे। इससे पहले गृहमंत्री चिदंबरम पर जूता फेंका गया था। विरोधी विचार रखने वालों पर शाब्दिक और शारीरिक दोनों तरह की हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं।

अफसोस इस बात का है कि खुद रेखा गुप्ता हिंसा को समर्थन देने वाले बयान दे चुकी हैं और खुद इस तरह का व्यवहार कर चुकी है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर उनका एक घटिया बयान फिर चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने चुटकु ला बताकर लिखा था कि केजरीवाल से मीडिया ने सवाल किया कि आपको कैसे पता कि मोदी आपको मारना चाहते हैं, तो केजरीवाल ने कहा कि मैंने उन्हें बाजार से लाल हिट खरीदते देखा है। जब रेखा गुप्ता को 2023 में भाजपा की तरफ से एमसीडी का मेयर प्रत्याशी बनाया गया था, उस दौरान आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों के बीच जमकर हंगामा हुआ था, जिसके एक वीडियो में रेखा गुप्ता को तोड़-फोड़ करते देखा जा सकता है। हाल ही में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक चर्चा में रेखा गुप्ता ने हास्य कलाकार कुणाल कामरा के लिए कहा था कि वे अपने जोखिम पर दिल्ली आकर कार्यक्रम कर सकते हैं।

ये सारे प्रकरण बताते हैं कि रेखा गुप्ता चाहे जो कह लें, अहिंसा में उनका यकीन नहीं हैं। भाजपा में वे अपवाद भी नहीं हैं।

महामहिम की जबावदेही से आदिवासी क्षेत्रों को नई ताकत

-सुधीर पाल-

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार इस बात को लेकर मोर्चा खोले हुए है कि जब संविधान राष्ट्रपति और राज्यपाल को निर्णय लेने की समय सीमा में नहीं बांधे हुए है तो कोर्ट क्यों निर्णय ले। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के पास लंबित पड़े विधेयकों पर समय-सीमा तय करने का ऐतिहासिक फैसला दिया है, तो सवाल केवल विधेयक मंजूरी की देरी का नहीं है।

प्रश्न यह है कि पाँचवीं और छठी अनुसूची जैसे विशेष संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद पिछले सात दशकों में राज्यपालों और राष्ट्रपति-दोनों ने ही इन संवैधानिक दायित्वों का पालन शायद ही कभी गंभीरता से किया। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला केवल सामान्य केंद्र-राज्य विवादों तक सीमित नहीं है, बल्कि पंचम और षष्ठम अनुसूची के क्षेत्रों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं और अधिकारों से भी गहराई से जुड़ा है। बहस इस पर नहीं है कि लोकतंत्र के संरक्षक के तौर पर राज्यपाल और राष्ट्रपति ने अपनी भूमिका नहीं निभाई है और इन्हें कैसे जबावदह बनाया जाए।

संविधान सभा में जब पाँचवीं और छठी अनुसूची पर चर्चा हो रही थी, तब आदिवासी नेता जयपाल सिंह मुंडा ने साफ कहा था:

ह्लआदिवासी समाज हजारों वर्षों से अपनी ग्रामसभाओं और पारंपरिक शासन व्यवस्था से चलता आया है। यह केवल प्रशासनिक संरचना नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यदि संविधान इन परंपराओं को मान्यता नहीं देगा, तो आदिवासी समाज अपने को ठगा हुआ महसूस करेगा।ह्व

इसी बहस के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी स्पष्ट किया था कि अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन में राज्यपाल की भूमिका केवल औपचारिक नहीं होगी, बल्कि वह संरक्षक की तरह कार्य करेंगे। लेकिन दुख की बात है कि संविधान की यह दृष्टि कभी व्यवहार में नहीं उतरी। राज्यपाल राजनीतिक संतुलन साधने में उलझे रहे और राष्ट्रपति ने भी स्वतंत्र रिपोर्टों को नजरअंदाज कर दिया।

आदिवासी इलाकों में राज्यपालों की निष्क्रियता

पंचम अनुसूची विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों के प्रशासन से संबंधित है। इसके अंतर्गत, अनुच्छेद 244(1) स्पष्ट करता है कि अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का शासन विशेष प्रावधानों के अधीन होगा। राज्यपाल को यह शक्ति दी गई है कि वह इन क्षेत्रों में लागू होने वाले किसी भी राज्य विधान को, चाहे पारित हो चुका हो, अस्वीकार, संशोधित या निलंबित कर सकता है। राज्यपाल पर यह संवैधानिक दायित्व डाला गया है कि वह समय-समय पर राष्ट्रपति को अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन पर स्वतंत्र और निष्पक्ष रिपोर्ट भेजें।

परंतु वास्तविकता यह है कि संविधान लागू होने के बाद से बार-बार रिपोर्टें समय पर और निष्पक्ष रूप में राष्ट्रपति को भेजे जाने का एक भी ठोस उदाहरण सामने नहीं आता। राज्यपालों ने इस शक्ति का उपयोग आदिवासियों के पक्ष में नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए लगभग कभी नहीं किया। राज्यपाल के वार्षिक प्रतिवेदन का मकसद राष्ट्रपति को उस वर्ष अनुसूचित क्षेत्र के प्रशासन, विकास, कल्याण कार्यों की स्थिति के बारे में सूचित करना होता है। झारखंड जैसे राज्यों के इन प्रतिवेदनों में चल रही कल्याणकारी योजनाओं का विवरण, लाभार्थियों की संख्या, खर्च का ब्यौरा और बजटीय आवंटन शामिल होता है। लेकिन बहुतायत में ऐसे प्रतिवेदनों में इन क्षेत्रों में आदिवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा, भूमि हस्तांतरण पर रोक, जनजातीय परामर्शदात्री परिषद के कार्य या प्रदर्शन का कोई जिक्र नहीं होता। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण, वन अधिकार, खनन जैसे महत्वपूर्ण कानूनों के जनजातीय समुदायों पर पड़ने वाले प्रभावों को भी प्रतिवेदन में नहीं दशार्या जाता।

संविधान की अपेक्षाओं और व्यवहार में भारी अंतर रहा है। 2016 में जब झारखंड की राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण और टेनेंसी कानूनों में संशोधन का प्रयास किया, तब राज्यपाल को संविधान की रोशनी में आदिवासी हितों की रक्षा करनी थी। लेकिन राज्यपाल की भूमिका केवल औपचारिक रही। झारखंड में खनन और जमीन अधिग्रहण के खिलाफ दर्जनों आंदोलन हो रहे हैं लेकिन राज्यपाल मौन हैं। पेसा कानून राज्य में लागू नहीं है, राज्यपाल बेफिक्र हैं।

छत्तीसगढ़ में सलवा जुडूम और नक्सल हिंसा में हजारों निर्दोष आदिवासी मारे गए, गाँव के गाँव जला दिए गए, राज्यपाल के कान पर जूं नहीं रेंग। हँसदेव की जमीन लूट ली गयी, जंगल साफ हो गए, वनाधिकार को ठेंगा दिखाया जाता रहा लेकिन राजपाल ने अपनी भूमिका नहीं निभाई।

राज्य में पेसा कानून का क्रियान्वयन राज्यपाल के संरक्षण में होना था, परंतु ग्राम सभाओं को अधिकार देने की प्रक्रिया लगातार अधूरी पड़ी रही।

ढेबर आयोग सहित अनेक आयोगों ने जनजातीय परामर्शदात्री परिषद को निष्क्रिय, कमजोर और अप्रभावी बताया है तथा इसे सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। साथ ही राज्यपालों की भूमिका की भी आलोचना हुई है कि वे संवैधानिक जिम्मेदारी के बावजूद प्रशासन की वास्तविक चुनौतियों पर पर्याप्त रिपोर्टिंग नहीं करते। 2015 में केरल ने पांच जिलों में 2,133 बस्तियों, पांच ग्राम पंचायतों और दो वार्डों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव पारित किया था और इसे अब भी केंद्र सरकार और राष्ट्रपति के मंजूरी का इंतजार है।

छठी अनुसूची पूर्वोत्तर भारत के राज्यों-असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए एक विशेष व्यवस्था करती है। इसमें स्वायत्त जिला परिषदों की स्थापना की गई है, जिनके पास भूमि, संस्कृति, न्याय, वन, संसाधन और शिक्षा से जुड़े व्यापक अधिकार निहित हैं। लेकिन इन परिषदों के निर्णयों के निरीक्षण और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी अंततः राज्यपाल पर डाल दी गई है। राज्यपाल यहां भी अंतिम निर्णायक बनते हैं कि कोई प्रस्ताव लागू होगा या नहीं। पूर्वोत्तर में जातीय संघर्ष और संसाधनों पर विवाद स्थायी समस्या बना हुआ है। छठी अनुसूची की परिषदों में बार-बार विवाद हुए, लेकिन गवर्नरों ने निर्णायक और संरक्षक की भूमिका शायद ही निभाई।

व्यवहार में देखा गया है कि राज्यपाल अक्सर इन परिषदों को न तो पर्याप्त अधिकारों के साथ कार्य करने देते हैं और न ही रिपोर्टिंग व निष्पक्ष निरीक्षण की अपनी भूमिका गंभीरता से निभाते हैं। परिणामस्वरूप, आदिवासी समाजों की वास्तविक आकांक्षाएं शासन व्यवस्था में पूर्णतः परिलक्षित नहीं हो पातीं।

सुप्रीम कोर्ट की समय सीमा

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 (जो कोर्ट को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए कोई भी आदेश पारित करने की शक्ति देता है) का उपयोग करते हुए निम्नलिखित समय-सीमाएँ तय कीं है। राज्यपाल को बिल पर सहमति देना या असहमति जताना है तो यह 1 महीने के अंदर करना होगा। अगर बिल मनी बिल (वित्तीय विधेयक) नहीं है, तो उसे वापस करने के लिए 3 महीने का समय है। अगर बिल को राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजा गया है, तो उस पर फैसला 3 महीने के अंदर होना चाहिए।

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की गाड़ी के नीचे आया पुलिसकर्मी

मेरठ (एजेंसी)। नवादा (ईएमएस)। बिहार के नवादा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की गाड़ी के नीचे सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी आया। वहां मौजूद अन्य सुरक्षाकर्मियों ने खींचकर पुलिसकर्मी को बाहर निकाला। राहुल गांधी ने भी उनका हालचाल पूछा।

वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी गया से नवादा पहुंचे। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच समझौता है। ये मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर आपसे वोट छीन रहे हैं। वहीं राजद नेता तेजस्वी ने कहा, आप लोग आने वाले आम चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनाइए और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री। फिलहाल, राहुल गांधी की यात्रा नवादा के आईटीआई कॉलेज कैंपस में रुकी है। यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं ने हिसुआ पुलिस थाने से राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। राहुल ने गाड़ी रुकवाकर उन्हें थम्स-अप किया, फिर फ्लाइंग किस देकर मुस्कुराते हुए आगे निकल गए। गया के रसलपुर में कुछ महिलाएं पूजा की थाली, लोटे में जल और नारियल लेकर राहुल गांधी का स्वागत करने पहुंचीं।

फ्लाइट में यात्री ने सुलगाई सिगरेट, अलार्म बजते ही मच गया हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ-मुम्बई फ्लाइट का एक यात्री माचिस-सिगरेट समेत विमान में पहुंच गया और टॉयलेट में सिगरेट सुलगा ली। तुरंत फायर अलार्म बज उठे। इससे हड़कंप मच गया। घटना 16 अगस्त की है। बता दें कि स्वाधीनता दिवस के चलते सुरक्षा सख्त थी। फिर ज्वलनशील पदार्थ तो दूर की बात, सिक्योरिटी चेक में 100 मिली से ज्यादा पानी या तरल पदार्थ भी ढूंढ़कर निकलवा दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि हाई सिक्योरिटी अलर्ट में तो तीन स्तरों पर जांच हो रही है। विमान में प्रवेश से पहले सेकंड लैडर प्वाइंट जांच भी की जा रही है। फिर भी माचिस कैसे पकड़ में नहीं आई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2492 उड़ान भरने को तैयार थी। यह दिन में 2:05 बजे उड़ान भरने के बाद मुम्बई एयरपोर्ट पर शाम 4:37 बजे लैंड करती है। एक सहयात्री ने बताया कि एक यात्री कुलदीप सिंह अपनी पत्नी अंशु और पुत्र ध्रुव के साथ यात्रा कर रहा था। बोर्डिंग खत्म होते ही वह सीट से उठकर चला गया। थोड़ी ही देर में फायर अलार्म बजने लगा। केबन क्रू टॉयलेट की ओर दौड़ पड़े। यात्री घबरा गए कि कहीं आग तो नहीं लग गई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार कुलदीप किसी तरह माचिस का मसाला वाला हिस्सा और तिल्ली भीतर तक ले जाने में सफल रहा था। उसे सिगरेट की तलब लगी तो प्लेन के टॉयलेट में पहुंच कर सुलगा ली। उसे अंदाजा नहीं था कि जरा से धुएं पर फायर अलार्म बज जाएंगे। आनन-फानन में क्रू सदस्यों ने टॉयलेट का दरवाजा खटखटा कर यात्री को बाहर बुलाया। इसके बाद पायलट को इसकी सूचना दी। प्लेन के क्रू ने कैप्टन के निर्देश पर कुलदीप को विमान से उतार दिया। उसके साथ यात्रा कर रहा परिवार ऐसे में खुद ही कुलदीप के साथ उतर गया। यात्री के साथ चेकइन बैगेज भी था। उसे भी उतार दिया गया।

निशिकांत दुबे का गंभीर आरोप- कांग्रेस ने इसरो मिशन को कमजोर किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। लोकसभा और राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की। इसी बीच लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में रहते हुए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान के दबाव में भारत के अंतरिक्ष मिशन (इसरो) को कमजोर किया। भाजपा सांसद दुबे ने कहा, कि कांग्रेस ने केरल के प्रसिद्ध इसरो वैज्ञानिक नंबी नारायणन को 1994 में सीबीआई के जरिए गलत तरीके से गिरफ्तार कराया। इस साजिश से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अब भी नहीं चाहती कि इस विषय पर सदन में चर्चा हो। इससे पहले स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ सवालों के जवाब भी दिए। लेकिन विपक्ष की नारेबाजी और हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित रही। अंततः लोकसभा और राज्यसभा—दोनों सदनों की कार्यवाही 20 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

निमिषा प्रिया के नाम पर फ्रॉड...फर्जी बैंक खाते में पैसा डोनेट करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में भारतीय निमिषा प्रिया को मौत की सजा से बचाने के लिए लगातार कोशिश जारी हैं। बीते दिनों केरल के उलेमा ने भी मामले में दखल दिया था और यमन में अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर मध्यस्थता कराने का प्रयास किया था। इसके बाद भी मृतक तलाल आबदो मेहदी के परिजन निमिषा प्रिया की माफी के लिए राजी नहीं हैं।

तलाल के भाई ने लंबी पोस्ट लिखकर यमन सरकार से मांग की है कि निमिषा प्रिया को जल्दी ही मौत की सजा दी जाए। इस बीच सोशल मीडिया पर नए दावे के साथ निमिषा प्रिया के नाम पर फ्रॉड जारी है। यही नहीं दावा ईसाई धर्म के प्रचारक कहलाने वाले डॉ. एके पॉल नाम के ट्विटर अकाउंट से हो रहा है। इसमें सेव निमिषा प्रिया के नाम से पोस्टर डिजाइन कर दावा किया गया है कि विदेश मंत्रालय के खाते में आप रकम जमा करा सकते हैं ताकि निमिषा को बचाया जा सके। ट्वीट में कहा गया है, 'निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सीधे भारत सरकार के बैंक खाते में डोनेट करें। हमें 8.3 करोड़ रुपये की जरूरत है।' इतना ही नहीं फर्जी दावे में अकाउंट नंबर भी दिया गया है, जो भारतीय स्टेट बैंक का है। इस बैंक खाते को भारतीय विदेश मंत्रालय का अकाउंट बताया गया है। अब इस मामले पर विदेश मंत्रालय ने सच्चाई बताकर जनता से अपील की है कि यह फर्जी है और इसतरह से किसी भी झांसे में न आएं।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते... सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग पर हमलावार दिख रहे है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। एसआईआर क्यों किया जा रहा है, इसका जवाब दें।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, इन 10-11 सालों में ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिसमें उन्होंने (भाजपा) नेहरू की गलती बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया। जबकि उन्हें अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए, अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। आज जो हो रहा है उस पर बात करें, एसआईआर क्यों किया जा रहा है इसका जवाब दें, वोट चोरी के मुद्दे पर बात करें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी का बचाव कर कहा कि वे किसी हमले से नहीं डरते....बिल्कुल पीछे नहीं हटने वाले है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शपथ पत्र के मामले पर कहा, सबसे बड़ी शपथ हम लोकसभा में लेते हैं। ये जो हलफनामा मांग रहे हैं, ये सब बेकार की बात है। जैसे ही हलफनामा आएगा, वे कहना शुरु कर देंने वाले हैं कि ये 45 दिन बाद दिया था, इसलिए रदद कर रहे है। ये सब बकवास है, सच्चाई सबके सामने है, सच्चाई का जवाब दें। ये सब क्यों हुआ? 100-100 लोग जीरो पते पर क्यों हैं, इतने लोग एक पते पर कैसे हैं? पहले राहुल गांधी जो सवाल उठा रहे हैं, उसका जवाब दें।

इसके पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम वोट चोरी के खिलाफ हैं और जनता को संदेश दे रहे हैं कि आपके साथ अन्याय हो रहा है। हम चाहते हैं कि जनता को पता चले कि अगर कोई वोट चोरी करके सरकार में आता है, तब यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ये संविधान की हत्या है। चुनाव आयोग हमें डरा-धमका रहे है कि 7 दिन में जवाब दें। ये उनका हथियार है। हमारे पास भी हथियार हैं, जिन्हें हम समय आने पर इस्तेमाल करने वाले है।

हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य कर रहे दूसरी शादी, 22 सितंबर को चंडीगढ़ में होगा रिसेप्शन

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह फिर से शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी 22 सितंबर को चंडीगढ़ में होगी। हिमाचल के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह की शादी पंजाब की अमरीन कौर से तय हुई है। अमरीन पंजाब यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में शादी की रिसेप्शन होगा। इस शादी के कार्ड भी बंट चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरीन कौर चंडीगढ़ निवासी सरदारनी ओपिंदर कौर एवं सरदार जोतिंदर सिंह सेखों की सुपुत्री हैं। विवाह समारोह चंडीगढ़ स्थित निवास में होगा। सुबह 10 बजे शादी के कार्यक्रम शुरू होंगे, जिसके बाद दोपहर 1 बजे लंच होगा। विक्रमादित्य सिंह का उनकी पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। दिवंगत पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के सुपुत्र विक्रमादित्य सिंह की यह दूसरी शादी है। उनकी पहली शादी 8 मार्च 2019 को राजस्थान के मेवात वंश की राजकुमारी सुदर्शना सिंह के साथ हुई थी। यह विवाह उदयपुर के कानोता गांव स्थित कनोतागढ़ पैलेस में हुआ था। हालांकि, वैवाहिक संबंधों में खटास आने के बाद मामला जयपुर फैमिली कोर्ट में विचाराधीन रहा। बाद में दोनों का तलाक हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस शाही शादी समारोह में देश-प्रदेश के कई दिग्गज नेता और विशिष्ट व्यक्ति शामिल होंगे। विक्रमादित्य सिंह वर्तमान में हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री हैं। विक्रमादित्य सिंह साल 2024 में लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें कांग्रेस ने मंडी सीट पर कंगना रनौत के खिलाफ टिकट दिया था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पीएम मोदी ने की विपक्षी दलों से अपील, उम्मीदवार के लिए राधाकृष्णन का करें समर्थन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों से अपील की है कि वे उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का समर्थन करें ताकि नए राज्यसभा सभापति का चुनाव महासमिति के जरिए से हो सके। पीएम मोदी ने कहा कि राजनाथ सिंह इस संबंध में सभी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में मंगलवार को उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों से राधाकृष्णन का औपचारिक परिचय भी करवाया।

पीएम मोदी ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए एक उत्कृष्ट पसंद हैं। उन्होंने बिना किसी विवाद के जीवन जिया है और बहुत ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति हैं। संसद में एनडीए सांसदों की बैठक बुलाई गई थी। वहां राधाकृष्णन के बारे में उन्होंने सांसदों से कहा कि सीपी राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आने वाले जमीनी नेता हैं, बेहद सहज स्वभाव के हैं और राजनीति को खेल की तरह नहीं लेते।

पीएम मोदी ने सिंधु जल समझौता के बहाने देश के पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू पर हमला बोला और कहा कि पहले देश का बंटवारा किया फिर पानी का भी बंटवारा कर दिया और समझौते के तहत पाकिस्तान को 80 फीसदी पानी दे दिया। पीएम ने कहा कि वह फैसला किसान विरोधी था। इस बैठक में पीएम मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्री समेत एनडीए के शीर्ष नेता मौजूद थे। राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन बुधवार को दाखिल कर सकते हैं। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए को लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में पूर्ण बहुमत मिला है, ऐसे में राधाकृष्णन की जीत तय मानी जा रही है। इस बीच, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से संकेत मिल रहे हैं कि वह अपना उम्मीदवार उतारेगा और चुनाव लड़ेगा। बीजेपी नेता राधाकृष्णन (67) तमिलनाडु से ताल्लुक रखते हैं और महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

भारत और चीन के रिश्तों से दूर होगी खटास, परस्पर सहयोग को तैयार: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन संबंधों में किसी भी सकारात्मक प्रगति का आधार सीमा पर शांति और स्थिरता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और विश्वास बहाल करने की प्रक्रिया आगे बढ़नी बेहद जरूरी है। जयशंकर ने यह बात नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ एक बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि वांग यी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जो बेहद अहम है।

जयशंकर ने माना कि भारत-चीन संबंधों ने हाल के वर्षों में कठिन दौर देखा है, लेकिन अब आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। उन्होंने कहा कि रिश्तों को तीन म्यूचुअल्सयानी परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हितों से मार्गदर्शित होना चाहिए। मतभेद विवाद में और प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मौजूदा अध्यक्षता के दौरान चीन के साथ निकट सहयोग किया है। साथ ही, उन्होंने वांग यी को 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन के तियानजिन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन मजबूत नतीजे देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत की उम्मीद है कि इस बैठक से दोनों देशों के बीच स्थिर, सहयोगात्मक और भविष्य की ओर देखने वाले संबंध बनेंगे, जो दोनों देशों के हितों की पूर्ति करेंगे और चिंताओं का समाधान भी करेंगे। इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। जयशंकर ने कहा कि जब दुनिया के दो बड़े देश मिलते हैं तो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन एक न्यायसंगत, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जिसमें बहुध्रुवीय एशिया भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता बनाए रखना जरूरी है और आतंकवाद से हर रूप में लड़ना भी प्राथमिकता है। बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा और वैश्विक हालात पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों के बीच

आर्थिक और व्यापारिक मुद्दे, तीर्थ यात्राएं, जन-से-जन संपर्क, नदी डेटा साझा करना, सीमा व्यापार, कनेक्टिविटी और द्विपक्षीय आदान-प्रदान जैसे विषय चर्चा में शामिल रहे।

प्रवासी मजदूरों के लिए ममता बनर्जी की श्रमश्री योजना

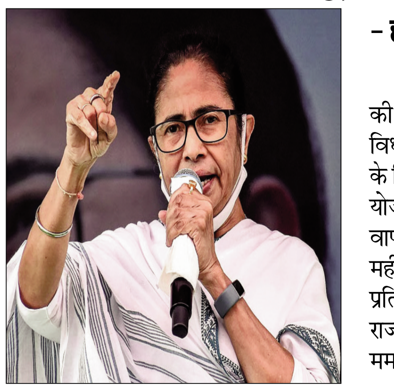

– हर महीने मिलेंगे 5 हजार रुपए

कोलकाता (एजेंसी) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रवासी मजदूरों के लिए श्रमश्री योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत, जो मजदूर दूसरे राज्यों से वापस बंगाल लौटना चाहते हैं, उन्हें 12 महीने तक या रोजगार मिलने तक 5,000 प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि इस योजना को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है और इसका उद्देश्य प्रवासी मजदूरों का पुनर्वास करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली मजदूरों पर योजनाबद्ध तरीके से हमले हो रहे हैं और उन्हें वहां से जबरन भगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 22 लाख प्रवासी मजदूर और उनके परिवार ऐसे उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं, विशेष रूप से उन राज्यों में जहां 'डबल इंजन' की सरकारें हैं। इस राजनीतिक टकराव के बीच, ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 अगस्त को कोलकाता दौरे में शामिल न होने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी कोलकाता में तीन मेट्रो प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने वाले हैं, जिसके लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ममता को आमंत्रित किया था। हालांकि, ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि वे बीजेपी नेताओं के साथ मंच साझा नहीं करेंगी। इस घोषणा और बयानबाज़ी को चुनावी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे तृणमूल कांग्रेस राज्य में मजदूर वर्ग को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र में बारिश के कहर पर बोले सीएम फडणवीस- नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर

–7 की मौत, मुंबई में कमर तक भरा पानी, बचाव व राहत कार्य जारी

मुंबई (एजेंसी)। बीते 5 दिनों से महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश की वजह से देश की आर्थिक नगरी मुंबई बेहाल हो गई है। सीएम फडवीस ने कहा कि कुछ नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। इसकी वजह से कई इलाकों में कमर भर पानी जमा हो चुका है। इससे न केवल यातायात बाधित हुई है बल्कि आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। स्कूल कॉलेजों में जहां छुट्टी कर दी गई है, वहीं विमानों की उड़ानों पर भी बुरा असर पड़ा है।

मौसम विभाग ने आज भी रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण सात लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश से नांदेड़ जिले में 200 से अधिक ग्रामीण फंसे हुए हैं जिसके कारण अधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात करना पड़ा है। राज्य सचिवालय में एक बैठक में बारिश की स्थिति की समीक्षा के बाद फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है। कोंकण में कुछ नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है और जलगांव में भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, अलमाटी बांध पर कर्नाटक सरकार के साथ लगातार समन्वय जारी है।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने मंत्रालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में राज्य भर में वर्षा की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा, रत्नागिरी, रायगढ़ और हिंगोली में भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 17-21 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी दी है और पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर मंडल में 800 गांव भारी बारिश से प्रभावित हैं। विदर्भ में लगभग दो लाख हेक्टेयर से ज़्यादा फसल बर्बाद होने की खबर है। फडणवीस ने कहा, मुंबई में आठ घंटों में 170 मिलीमीटर बारिश हुई। यहां 14 जगहों पर जलभराव हुआ, लेकिन केवल दो जगहों पर यातायात बाधित हुआ। रेलवे और मेट्रो सेवाओं का परिचालन सुचारू हैं। अगले 10-12 घंटे बेहद अहम हैं। स्थानीय निकायों को अवकाश घोषित करने का अधिकार दिया गया है। सीएम फडणवीस ने इससे पहले संवाददाताओं को बताया था कि मुंबई से करीब 600 किलोमीटर दूर नांदेड़ जिले के मुखेड़ तालुका से पांच लोग लापता बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि तालुका में स्थित महाराष्ट्र और तेलंगाना के बीच अंतर-राज्यीय सिंचाई परियोजना लेंडी बांध के जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि लातूर, उदगीर और पड़ोसी कर्नाटक से बड़ी मात्रा में पानी इस क्षेत्र में छोड़ा जा रहा है।

मुंबई और केरल के वकील आ रहे हैं, संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे : मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में राज्य में संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति और बाहर से आ रहे लोगों के बारे में कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कुछ अजीबो-गरीब लोग, जिसमें मुंबई और केरल के वकील शामिल हैं, असम आ रहे हैं। सीएम सरमा ने इन लोगों को कट्टरपंथी बताकर आरोप लगाया कि वे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं। सरमा के अनुसार, ये वहीं लोग हैं जो एनआरसी (एनआरसी) अपडेट के समय भी आए थे और उन्होंने पूरी प्रक्रिया को खराब कर दिया था।

उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने एक जैसे नामों का फायदा उठाकर इसतरह के लोगों के नाम झूठे तरीके से दर्ज करवाए जो सूची में शामिल होने के योग्य नहीं थे। मुख्यमंत्री सरमा ने हर्ष मंदर जैसे लोगों पर भी निशाना साधकर आरोप लगाया कि झूठे रिश्तेदारों को बनाने का काम उनके दिमाग की उपज है। सरमा ने कहा कि पिछले पांच सालों में उन्हें कई ऐसी गड़बड़ियां मिली हैं और अब वे इन मामलों को सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश करुंगा।

उन्होंने साफ किया कि अगर ये लोग सीमा पार करते हैं, तब उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा, क्योंकि असम सरकार किसी भी तरह की कट्टरपंथी गतिविधि या संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगी, चाहे वे कहीं से भी आए हों।

इस दौरान, मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक नवजात शिशु की मौत की घटना पर भी बात की। नियोनेटल आईसीयू में एक चार दिन के बच्चे की मौत हो गई थी, जिसके बाद परिवार ने अस्पताल के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने कहा कि यह एक लापरवाही का मामला है। उन्होंने बताया कि इस घटना की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य की ऊर्जा ग्रीन हाइड्रोजन पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी में जुटा भारत

–गोरखपुर देश का दूसरा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया वर्तमान में कई तरह की 'गर्मी' झेल रही है। जहां अमेरिका-रूस-यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव, चीन-अमेरिका की प्रतिस्पर्धा और सबसे खतरनाक ग्लोबल वॉर्मिंग का असर चिंता का कारण बना हुआ है। धरती को सबसे ज्यादा गर्म करने वाले देशों में चीन (30प्रतिशत), अमेरिका (15प्रतिशत), भारत (7प्रतिशत), रूस (5 प्रतिशत) और जापान (4 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके बाद ग्रीन हाइड्रोजन पूरी दुनिया के लिए 'उम्मीद की किरण' बनकर उभर रही है और भारत इस क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाने की तैयारी कर चुका है।

इसके लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। साथ ही देश में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन भी शुरु हो चुका है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर जिले के खानिमपुर गांव में राज्य का पहला और देश का दूसरा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू किया। इस प्लांट को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मील का पत्थर बताकर सीएम योगी ने कहा कि अगर मानवता और सभ्यता को बचाना है, तब कार्बन उत्सर्जन को जल्द से जल्द घटाना होगा। हरित हाइड्रोजन ही भविष्य की ऊर्जा है।'

ग्रीन हाइड्रोजन अक्षय ऊर्जा (सौर और पवन) से पानी का इलेक्ट्रोलिसिस करके तैयार की जाती है। इसमें कार्बन फुटप्रिंट शून्य होता है और केवल हाइड्रोजन व ऑक्सीजन उत्पन्न होते हैं। यही वजह है कि इसे 'क्लीन फ्यूल ऑफ फ्यूचर' कहा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के मुताबिक 2050 तक ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में 12 प्रतिशत योगदान होगा। अभी कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा ग्रीन हाइड्रोजन है। इस 0.3 गीगावॉट से बढ़ाकर 5,000 गीगावॉट करना लक्ष्य है।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन मिशन

भारत ने 2030 तक हर साल 10 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। अभी देश में उर्वरक, रिफाइनिंग और अमोनिया उत्पादन में करीब 60 लाख टन हाइड्रोजन की खपत होती है, जो 2050 तक 2.8 करोड़ टन तक जा सकती है। 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कोयला और गैस जैसे पारंपरिक ईंधनों के बराबर होने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश के पुडीमडका में दुनिया की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में से एक विकसित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना की नींव रखी थी। यह प्रोजेक्ट भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट उत्पादन के लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद करेगा। ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर भारत की आक्रामक पहल बताती है कि आने वाले दशक में भारत न सिर्फ कार्बन न्यूट्रल भविष्य की ओर बढ़ेगा, बल्कि दुनिया का ऊर्जा नेतृत्व भी अपने हाथ में ले सकता है।

पेट्रोल कारों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक : गुजरात भारत का ऑटोमोटिव हब बनकर उभरा

* वित्त वर्ष 2022-23 में गुजरात के ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का भारी निवेश

अहमदाबाद।

भारत में ऑटोमोटिव क्रांति में गुजरात की अहम भूमिका रही है। अपनी रणनीतिक स्थिति, मज़बूत बुनियादी ढाँचे और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण, गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में ऑटो कंपनियों की पहली पसंद बन गया है। उत्तर गुजरात की बात करें तो आज सुजुकी मोटर्स गुजरात के कारण यह क्षेत्र भारत में अग्रणी ऑटोमोटिव विनिर्माण केंद्रों में से एक बन गया है। सुजुकी मोटर्स गुजरात ने 7.5 लाख कार इकाइयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ गुजरात को एक वैश्विक ऑटो हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सफलता को वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) 9-10 अक्टूबर, 2025 को मेहसाणा में आयोजित किया जाएगा। गुजरात में ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने 2012 से 2015 के बीच वैश्विक निवेशकों को आकर्षित किया। 2014 में, सुजुकी ने राज्य में एक मेगा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और गुजरात के ऑटो क्षेत्र को गति मिली। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे रोज़गार के अपार अवसर पैदा हुए हैं। आज, सुजुकी मोटर का गुजरात प्लांट भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माण संयंत्रों में से एक है। इस संयंत्र ने मेहसाणा के आसपास के ऑटो कंपोनेंट उद्योग में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया है।

इतना ही नहीं, सुजुकी मोटर्स गुजरात ने भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 32 अरब रुपये का निवेश करके चौथी उत्पादन लाइन स्थापित करने की भी घोषणा की है। अपने मज़बूत बंदरगाह बुनियादी ढाँचे के कारण, गुजरात वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक रणनीतिक निर्यात केंद्र बन गया है। 2024 में, गुजरात ने दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और चिली सहित कई देशों को लगभग रु. 3,459 करोड़ मूल्य के ऑटोमोबाइल निर्यात किए। इसके अतिरिक्त, गुजरात ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का महत्वपूर्ण निवेश दर्ज किया, जो पिछले पाँच वर्षों में 16.4% की मज़बूत CAGR दर्शाता है। यानी निवेश 16.4% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर खरीदने का आज आखिरी दिन, कल मिलेगा डिविडेंड

नई दिल्ली।

सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी की उम्मीद है। वजह यह है कि आज आखिरी दिन है जब निवेशक शेयर खरीदकर कंपनी के अंतिम डिविडेंड के हकदार बन जाएंगे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.15 प्रति शेयर का डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड पाने के लिए 21 अगस्त गुरुवार की तारीख तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें डिविडेंड दिया जाएगा।

कोल इंडिया अपनी 51वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त को करेगी। एजीएम में डिविडेंड को मंजूरी मिलने के बाद कंपनी 30 दिनों के अंदर यह भुगतान करेगी। यह सिफारिश पहले 7 मई 2025 को बोर्ड बैठक में की गई थी।

अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कोल इंडिया का शुद्ध मुनाफा 10,943.55 करोड़ रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के बराबर है। कंपनी की कुल आय घटकर 37,458.05 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही में 39,388.47 करोड़ थी।

बिक्री घटकर 31,880.43 करोड़ पर आ गई, जो क्यू1 2025 में 33,170.13 करोड़ थी। वहीं खर्च बढ़कर 25,893.12 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 25,326.66 करोड़ था।

19 अगस्त को एनएसई पर कोल इंडिया का शेयर 385.90 पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 0.49 फीसदी कम है। कंपनी का मार्केट कैप फिलहाल 2.38 लाख करोड़ है और यह बीएसई 100 इंडेक्स का हिस्सा है।

मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधान को फिर से लागू करने पर विचार कर रही सरकार

इसका मकसद होगा कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें

नई दिल्ली।

सरकार जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधार के बाद मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को कुछ समय के लिए फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में एक सरकारी अधिकारी के वाले से जानकारी दी गई है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें। अधिकारी ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया है कि केंद्र सरकार बाजार से संचालित मूल्य निर्धारण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अनुचित मुनाफाखोरी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर कंपनियां कर दरों में कमी के अनुरूप अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम नहीं करेंगी तो ऐसा हो सकता है। हम दो साल तक मुनाफाखोरी-रोधी उपायों को लागू करने की योजना बना रहे हैं ताकि कारोबारी दरों में कमी के लाभ को अपनी जेब में न रखें।

बता दें मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को सबसे पहले 2017 में लागू किया गया था। उस समय जीएसटी ने कई अप्रत्यक्ष करों को बदल दिया था और कई वस्तुओं पर कर की दरें कम हो गई थीं। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 171 के तहत लाए गए इन नियमों का उद्देश्य यह तय करना था कि कारोबारी कर की दरों में कमी और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। समय के साथ-साथ इसका दायरा एमआरपी से आगे बढ़कर एफएमसीजी, आतिथ्य सेवा और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगातार दर में कटौती और आईटीसी लाभों को कवर करने तक विस्तृत किया गया।

सरकार ने इन नियमों के साथ मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) की स्थापना भी की थी। इसका काम उन कंपनियों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना था जो कर की कम दरों का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रही थीं।

इसके अलावा किसी भी अनियमित एवं अनुचित मुनाफाखोरी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण (एनएए) का गठन किया गया था। दिसंबर 2022 में एनएए के विघटन के बाद भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को ही मुनाफाखोरी-रोधी मामलों को संभालने की जिम्मेदारी दी गई। अक्टूबर 2024 से यह क्षेत्राधिकार जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) दिल्ली के प्रधान पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया।

ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक साल 2027 में अपनी बहुप्रतीक्षित ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी। यह बाइक 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार मात्र दो सेकंड में पकड़ सकती है। इसमें ओला का विशेष मूव ओएस ऑपरेटिंग सिस्टम, सेल्फ-ड्राइविंग फीचर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए कृत्रिम सिलिकॉन मिलेगा, जिससे यह पूरी तरह स्मार्ट मशीन बन जाएगी। इसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये तक हो सकती है। ओला डायमंडहेड को हल्के लेकिन बेहद मजबूत एयरो लाइट मटेरियल से बनाया गया है, जिसमें एक्टिव एयरोडायनेमिक्स तकनीक दी गई है। यह न केवल हवा के प्रवाह को नियंत्रित करके बाइक को तेज गति से चलने में मदद करती है, बल्कि स्थिरता भी बनाए रखती है।

बेहतर नियंत्रण के लिए इसमें हब-सेंटर्ड स्टीयरिंग लगाया गया है, जो फुल स्पीड पर भी राइड को संतुलित रखेगा। यह ई-बाइक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) से लैस होगी, जिसमें रियल-टाइम अलर्ट, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। राइडर को एक स्मार्ट एआर हेलमेट भी मिलेगा, जो सड़क और ट्रैफिक की सटीक जानकारी प्रदान करेगा।

लंबी दूरी की राइड के लिए इसे एक्टिव एर्गोनॉमिक्स के साथ डिजाइन किया गया है। सड़क की स्थिति के अनुसार इसका सस्पेंशन अपने आप एडजस्ट होगा। राइडर के स्वास्थ्य और राइड डेटा पर नज़र रखने के लिए स्मार्ट वियरेबल्स भी उपलब्ध रहेंगे। साथ ही एक्सट्रीम फास्ट चार्जिंग तकनीक इसे कुछ ही मिनटों में चार्ज कर देगी।

ओला का कहना है कि डायमंडहेड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य को परिभाषित करेगी।

रुस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत खरीद रहा रुसी ऊर्जा, इसलिए ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया

-लेविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि क्षेत्र में जल्द शांति स्थापित हो

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अलग से टैरिफ लगा दिया है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने कहा कि यह कदम रूस को युद्ध जारी रखने से रोकने के लिए उठाया गया है। लेविट ने कहा कि भारत लगातार रूसी ऊर्जा खरीद रहा है, इसी कारण टैरिफ दोगुना यानी 50 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप लगातार दबाव बना रहे हैं कि यह युद्ध जल्द खत्म हो। उन्होंने भारत पर प्रतिबंध और दूसरे कदम उठाए हैं ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत हो सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की और सात यूरोपीय नेताओं से साथ मुलाकात की थी। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर चर्चा की गई। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि जल्द शांति स्थापित हो। बैठक के बाद नाटो महासचिव समेत सभी यूरोपीय नेता इसे सही दिशा में पहला कदम बताया। व्हाइट हाउस का दावा है कि अगर ट्रंप पहले से राष्ट्रपति होते, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। रिपोर्ट के मुताबिक लेविट ने दोहराया कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराकर तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब हालात बिगड़ रहे थे, तब ट्रंप ने व्यापार को हथियार बनाकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाया। भारत ने इस दावे को हमेशा खारिज किया है, लेकिन पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने ट्रंप को इस समझौते का श्रेय देते हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 87.06 रुपये पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को रुपया 87.04 पर बंद हुआ था। गत दिवस शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। रुपये की इस मजबूती को निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो देश की आर्थिक नीतियों में भरोसे को दर्शाता है।

मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे

-इसके साथ हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हुई

नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने फिनटेक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम की पैरेंट कंपनी) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने एक्सचेंज को बताया कि अब उसके पास पेटीएम में 5.15 फीसदी हिस्सेदारी है। मंगलवार को दाखिल की गई एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं। इसके साथ ही उनकी हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हो गई है। अब उनके पास कुल 3,29,11,399 शेयर हैं। मंगलवार को पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का शेयर 4.6 फीसदी या 53.75 बढ़कर 1,227.30 पर बंद हुआ था। दिन के दौरान इसने 1,232.65 का हाई छुआ यानी करीब 5 फीसदी की तेजी दर्ज की। कंपनी का मार्केट कैप अब करीब 78,360 करोड़ है। इसी दिन मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी 2.31 फीसदी या 21.70 बढ़कर 959.85 पर बंद हुए। इस कंपनी का मार्केट कैप करीब 57,544 करोड़ है। बता दें हाल ही में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने क्विक-कॉमर्स स्टार्टअप जेप्टो में भी बड़ा निवेश किया था। कंपनी ने 400 करोड़ लगाकर जेप्टो के 7.54 करोड़ कम्पलसरीली कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर खरीदे थे। यह डील 12 अगस्त को रेगुलेटरी फाइलिंग में दर्ज की गई थी।

नए लुक में लॉन्च हुई टाटा पंच ईवी, नए कलर के साथ एडवांस फीचर्स भी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की सबसे पॉपुलर और किफायती इलेक्ट्रिक कारों में से एक टाटा पंच ईवी अब नए लुक में बाजार में आ गई है। अपनी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन और एडवांस फीचर्स के लिए पंच ईवी अब दो नए कलर के साथ बाजार में उपलबध है। साथ ही कंपनी ने इसकी चार्जिंग स्पीड में भी सुधार किया है, जिससे यह कार पहले से ज्यादा प्रैक्टिकल और यूजर फ्रेंडली बन गई है। टाटा पंच ईवी में अब प्यूर ग्रे और सुपरनोवा कॉपर कलर शामिल किया गया है। इन नए शेड्स के जुड़ने के बाद पंच ईवी कुल सात रंगों में बाजार में उपलब्ध होगी। खास बात यह है कि इसके सभी कलर ब्लैक रूफ के साथ डुअल-टोन फिनिश में आते हैं, जो कार को और भी प्रीमियम और स्टाइलिश बना देते हैं। टाटा ने पंच ईवी की डीसी फास्ट चार्जिंग स्पीड को बेहतर बनाया है। जहां पहले इस कार को 10 फीसदी से 80 फीसदी तक चार्ज करने में 56 मिनट लगते थे, अब इसे सिर्फ 40 मिनट में चार्ज किया जा सकेगा। केवल 15 मिनट की चार्जिंग में पंच ईवी करीब 90 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिससे लंबी यात्राओं में यह मददगार साबित होगी। टाटा पंच ईवी न केवल स्टाइलिश है, बल्कि टेक्नोलॉजी से भी लैस है। इसमें 10.25-इंच का डुअल स्क्रीन सेटअप लगाया गया है, जिसमें इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल हैं। इसके अलावा, कार में वायरलेस एंडराड ऑटो और एपल कारप्ले, रियर ऐसी वेंट, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एयर प्यूरीफायर और 6-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स मिलते हैं। कंफर्ट के लिए वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एंबिएंट लाइटिंग और सिंगल-पेन सनरूफ भी मौजूद हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 213 अंक , निफ्टी 70 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 213.45 अंक की तेजी के साथ करीब 81,850 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 70 अंक बढ़कर 25,000 के स्तर के ऊपर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन मिलाजुला रहा, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.46 फीसदी और 0.30 फीसदी की तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी बैंक में 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की खरीदारी के बाद फिर से शुद्ध विक्रेता रहे और भारतीय शेयरों में 634.26 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,261.06 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी के साथ अपना समर्थन बनाए रखा।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे। वहीं भारती एयरटेल, इन्फोसिस और एनटीपीसी के शेयर में तेजी रही। जानकारों के अनुसार एनएसई का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी पिछले तीन दिनों में जीएसटी सुधारों से संबंधित सकारात्मक घोषणाओं के कारण 364 अंक उछला है जिससे भी बाजार को बल मिला है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी। निवेशकों ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार मामले पर होने वाली बातचीत से पहले से सतर्क रुख अपनाने हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। आज सुबह सेंसेक्स पिछले बंद भाव से 68.3 अंक की गिरावट के साथ 81,576.09 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी सुबह 26.5 अंक टूटकर 24,965.80 पर खुला।

सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादा शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और ट्रेंट जैसे शेयर शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी, इंफोसिस और टीसीएस सबसे ज़्यादा लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में भी आज सुबह गिरावट से शुरुआत हुई। सुबह दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.87 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.11फीसदी गिरा। अमेरिकी बाजार में भी गिरावट रही। वहीं तकनीकी शेयरों में कमजोरी के कारण एसएंडपी 500 में 0.59 फीसदी की गिरावट, नेसडेक में 1.46फीसदी की गिरावट और डॉओ जोंस लगभग स्थिर रहा।

एयरपोर्ट जाने से पहले वेबसाइट या ऐप पर उड़ान की स्थिति देखें

मुंबई में भारी बारिश से उड़ानें बाधित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश से उड़ाने भी बाधित हो रही हैं। इसके मद्देनजर भारत की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने यात्रियों के लिए बुधवार को एडवाइजरी जारी की। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके बारिश की आशंका के कारण हवाई यात्रा पर असर पड़ने की बात कही है। कंपनी ने पोस्ट में लिखा- हम चाहते हैं कि आपकी यात्रा यथासंभव परेशानी मुक्त हो, लेकिन प्रकृति की भी अपनी योजनाएं हैं। मुंबई में भारी बारिश की आशंका है, जिससे हवाई यातायात में भीड़भाड़ और उड़ान संचालन पर असर पड़ सकता है। एयरलाइंस ने आगे लिखा- हम संचालन को सुचारू रखने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम पहले से योजना बनाने की सलाह देते हैं। आपकी उड़ान के शेड्यूल में कोई भी बदलाव आपके पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिए से साझा किया जाएगा, इसलिए सुनिश्चित करें कि वे अपडेट रहें। एयरपोर्ट जाने समय से पहले निकलने की सलाह देते हुए इंडिगो ने लिखा- एयरपोर्ट जाने से पहले हमारी वेबसाइट या ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति देखें और जलभराव और धीमी गति से चलने वाले ट्रैफिक की संभावना के कारण, अपनी यात्रा के लिए कुछ अतिरिक्त समय निकालें। सड़कों पर सुरक्षित रहें और तैयार होकर यात्रा करें। इससे पहले बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस ने पोस्ट करके एक एडवाइजरी जारी की थी। उसमें भी विमानन कंपनी ने कई विमानों के आगमन और प्रस्थान में देरी की आशंका जताई थी और यात्रियों को इंडिगो की ऐप और वेबसाइट से यात्रा संबंधी प्रमुख गाइडलाइन्स को फॉलो करने की सलाह दी थी। मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी दी थी, जिसके कारण उड़ानों के समय में बदलाव या देरी की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी ने महाराष्ट्र में 16 से 21 अगस्त के दौरान भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई थी।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर उद्योग जगत की अपील कहा- बैठक कर पहले चर्चा जरुरी

नई दिल्ली।

ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और फेडरेशन ऑफ इंडिया फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए पत्र में, उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि उनका मानना है कि ऑनलाइन स्किल गेमिंग इंडस्ट्री प्रधानमंत्री के 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण की आधारशिलाओं में से एक हो सकता है। ऐसे में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने सरकार के साथ तत्काल बैठक का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो भारतीय यूजर्स और नागरिकों को गंभीर नुकसान होगा।

गेमिंग संगठनों ने पत्र में कहा, हमें विश्वास है कि आपके समर्थन से, भारत का गेमिंग क्षेत्र जिम्मेदारी से आगे बढ़ सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है, महत्वपूर्ण कर राजस्व में योगदान दे सकता है और अवैध ऑपरेटरों को रोक सकता है। यह विधेयक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को एक कानूनी ढांचे के तहत लाने और डिजिटल ऐप्स के माध्यम से जुआ खेलने पर दंड लगाने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित कानून राज्य के कानूनों में लत, धोखाधड़ी और विसंगतियों पर चिंता व्यक्त करता है और इसमें दंड और सजा के प्रावधान हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऑनलाइन गेमिंग के लिए केंद्रीय नियामक के रूप में नामित किया जा सकता है। इस विधेयक का उद्देश्य अनधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी पर भी रोक लगाना है। गेमिंग फेडरेशन के अनुसार, ऑनलाइन स्किल गेमिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसका उद्यम मूल्यांकन 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, राजस्व 31,000 करोड़ रुपए से अधिक है, वार्षिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर 20,000 करोड़ रुपए से अधिक है और यह 20 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर 2028 तक और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने के साथ दोगुना होने वाला है। भारतीय ऑनलाइन गेमर्स की कुल संख्या 2020 में 36 करोड़ से बढ़कर 2024 में 50 करोड़ से अधिक हो गई।

पत्र में आगे कहा गया है, भारत के गेमिंग उद्योग ने जून 2022 तक 25,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है। यह उद्योग वर्तमान में 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करता है, और अगले कुछ वर्षों में यह संख्या काफी बढ़ जाएगी।

अगस्त से नवंबर के बीच कई नए मॉडल होंगे लॉन्च

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल कंपनियां भारतीय बाजार में अगस्त से नवंबर के बीच कई नए मॉडल लॉन्च करने की तैयारी में हैं। कंपनियों का सबसे ज्यादा फोकस इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर रहेगा। टाटा सिएरा ईवी, ई-विटारा और विनफास्ट एसयूवी जैसी किफायती गाड़ियों से लेकर बीएमडब्ल्यू आईएक्स 2025, ऑडी क्यू6 ई-ट्रॉन और मर्सडीज बेंझ सीएलए इलेक्ट्रानिक जैसी लग्जरी गाड़ियां लॉन्च होंगी। महिंद्रा भी अपने वीजन एस और एसएक्सटी कॉन्सेप्ट को प्रोडक्शन की ओर ले जा रही है। दोपहिया सेगमेंट में स्कूटर्स और प्रीमियम ई-मोटरसाइकिलें आएंगी, हालांकि बड़े पैमाने पर बिकने वाली इलेक्ट्रिक बाइक्स के लिए अभी एक साल इंतजार करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल अगस्त से नवंबर का समय भारत में अब तक का सबसे बड़ा ईवी लॉन्च सीजन साबित हो सकता है। इसमें लग्जरी से लेकर किफायती तक, हर तरह की गाड़ियां एक साथ बाजार में आएंगी, जिससे शहरी और अर्ध-शहरी दोनों तरह के ग्राहकों की मांग को बढ़ावा मिलेगा। 2025 की पहली छमाही में ही टेस्ला ने अपने मॉडल वाय के साथ भारतीय बाजार में दस्तक दी, जिसने माहौल को और गरमाया। इसके बाद हुंडई क्रेटा ईवी, टाटा हैरियर ईवी, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी, हुंडई वेन्यू ईवी और महिंद्रा की नई क्ष्ख्र सीरीज जैसे कई मॉडल लॉन्च हुए।

संक्षिप्त

एशियाई चैंपियनशिप: भाकर ने कांसे पर साधा निशाना

श्यामकेंट (कजाकिस्तान), एजेंसी। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक पर निशाना साधा। भाकर ने आठ महिलाओं के फाइनल में 219.7 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की कियान्के मा ने 243.2 अंक के साथ स्वर्ण और कोरिया की जिन यांग ने 241.6 अंकों के साथ रजत पदक जीता। भाकर ने क्वालिफिकेशन में 583 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया था। कोरिया की येजिन ओह ने 585 अंक के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। लेकिन वह सिर्फ रैंकिंग अंक के लिए प्रतियोगिता भाग ले रही थीं। इससे चीन की कियानक्सुन याओ शीर्ष रैंक की निशानेबाज के रूप में फाइनल में पहुंच गईं।

ब्रेट ली ने जडेजा की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा की है। ऑस्ट्रेलाई ऑलराउंडर ने जडेजा को विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक बताया है। ली ने जडेजा के बारे में कहा, "उन्होंने भारत की ओर से पहले ही 85 टेस्ट मैच खेले हैं, और मुझे भरोसा है कि वह 100 के आंकड़े को पार करेंगे। मेरा मानना है जो कोई भी अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलता है, वह मेरी राय में महान खिलाड़ी है। जडेजा भी अपनी अच्छी बल्लेबाजी, गेंदआजी और फिल्डिंग के कारण एक पूर्ण सुपरस्टार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह 100 के आंकड़े को पार कर जाएंगे।" ब्रेट ली ने आगे कहा," "उनके पास एक बेहतरीन क्रिकेटर के लिए जरुरी सभी चीजें हैं। उनकी तकनीक सरल है। वह दौड़ते हैं और सटीक गेंदबाजी करते हैं।

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी काइल एडमंड ने संन्यास लिया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी काइल एडमंड ने 30 वर्ष की उम्र में खेल से संन्यास लेने की घोषणा की। लॉन टेनिस एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को जारी बयान में एडमंड ने कहा, पांच वर्षों में तीन सर्जरी और अन्य चोटों ने मुझे काफी परेशान किया है। मेरा शरीर मुझे बता रहा है कि अब खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। एडमंड ने दो एटीपी खिताब जीते और 2018 में एंडी मरे के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे ब्रिटिश खिलाड़ी बने। वह 79 वर्षों में पहली बार डेविस कप विजेता ब्रिटिश टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2016 के ओलंपिक खेलों में भी ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व किया था।

ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य विश्व कप जीतना रहेगा : हीली

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी एलिसा हीली ने माना है कि उनकी टीम का लक्ष्य रिकॉर्ड आठवीं बार विश्व कप जीतना रहेगा। हीली हालांकि जानती हैं कि ये आसान नहीं होगा क्योंकि उनकी टीम को भारतीय उपमहाद्वीप में अलग हालातों के साथ ही स्पिनरों से भी जूझना होगा। महिला विश्व कप का आयोजन अगले महीने भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है। वहीं हीली का कहना है कि उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने खिताब को बरकारार रखना चाहेगी। हीली ने हाल ही में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन मैचों की सीरीज के अंतिम मैच में नाबाद 137 रन की आक्रामक पारी खेली भी जिससे भी उनका मनोबल विश्वकप के लिए बढ़ा हुआ है। वह हालांकि ऑस्ट्रेलिया ए को जीत नहीं दिला पायी पर जिस प्रकार से हीली ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये उससे उनके हौंसले बुलंद हैं।

एशिया कप टी20: सूर्यकुमार यादव बने कप्तान, शुभमन गिल को मिली उपकप्तानी

गिल-बुमराह की एक साल बाद टी-20 टीम में वापसी

एशिया कप

- **सूर्यकुमार के हाथों में ही रहेगी भारतीय टीम टी20 की कमान गिल होंगे उपप्तान**
- **सैमसन के साथ जितेश दूसरे विकेटकीपर, रिंकू और कुलदीप भी टीम में एशिया कप**

> 'हमारे पास टी-20 टीम में कुछ अच्छे विकल्प हैं। विकल्प में अधिकता के कारण कई बार टीम चुनना आसान नहीं होता। इस तरह की स्थिति में होना हालांकि अच्छा है।
>
> **-अजीत अगरकर, मुख्य चयनकर्ता**

मुंबई, एजेंसी। एशिया कप टी20 के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया गया है। इस बार टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में होगी, जबकि शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है।

उम्मीदों के अनुरूप टेस्ट कप्तान शुभमान गिल और स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक साल बाद टी-20 टीम में वापसी की। एशिया कप के लिए मंगलवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में गिल को अक्षर पटेल की जगह उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथ में ही रहेगी। रिंकू सिंह अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। वहीं संजू सैमसन के साथ जितेश शर्मा दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे।

गिल ने अपना पिछला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ था। आईपीएल में गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने वाले गिल ने लीग में 50 की औसत से 650 रन बनाए थे। उन्हें भविष्य में तीनों प्रारूपों के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है। इसी के चलते उन्हें सबसे छोटे प्रारूप में सूर्य के नायब के रूप में रखा है। उनकी वापसी से यह तय है कि वह अभिषेक के साथ पारी का आगाज करेंगे। उनके अलावा संजू सैमसन तीसरे ओपनर होंगे। अगर गिल और अभिषेक ओपनिंग करते हैं तो फिर जितेश टीम के मुख्य विकेटकीपर होंगे। ऐसे में संजू को अंतिम एकादश में जगह मिलना मुश्किल है। तिलक तीसरे, सूर्यकुमार चौथे, हार्दिक पांचवें और फिर रिंकू और जितेश उतर सकते हैं।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा, गिल ने इंग्लैंड दौरे पर हमारी उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया। एशिया कप के तुरंत बाद अक्तूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के होने के कारण बुमराह की उपलब्धता को लेकर कुछ संशय बना हुआ था। चयनकर्ताओं ने हालांकि बुमराह को चुनने का फैसला किया। वह पिछले साल हुए टी-20 विश्व कप के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं।

तीन ऑलराउंडर, पांच गेंदबाज : टीम में हार्दिक, अक्षर और शिवम दुबे सहित तीन ऑलराउंडर हैं। स्पिनर विभाग का जिम्मा वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव संभालेंगे। वहीं तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई बुमराह, अर्शदीप और हर्षित राणा करेंगे। अक्षर और हार्दिक इनका साथ देंगे। बाक्स सात माह बाद टी-20 खेलेगी टीम भारतीय टीम सात माह बाद एशिया कप के रूप में टी-20 खेलेगी। टीम ने जनवरी-फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेली थी। इसमें सूर्यकुमार की टीम ने 4-1 से जीत दर्ज की थी। उस टीम में अंतिम एकादश में खेलने वाले सिर्फ एक सदस्य रवि बिश्नोई को ही इसमें जगह नहीं मिली है। भारत-पाक एक ग्रुप में नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगी। पाकिस्तान के साथ मुकाबला 14 सितंबर को होगा। ग्रुप का अंतिम मुकाबला 19 को ओमन के खिलाफ होगा।

टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमान गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

यशस्वी जायसवाल और वाशिंगटन सुंदर रिजर्व

युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल और वाशिंगटन सुंदर को रिजर्व रखा गया है। इन दोनों के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, रेयान पराग और ध्रुव जुरेल भी रिजर्व खिलाड़ी होंगे। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है कि यशस्वी को मुख्य टीम से बाहर होना पड़ा। श्रेयस को जगह नहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टीम में जगह नहीं मिली है। श्रेयस ने आईपीएल में पंजाब किंग्स की अगुआई करते हुए 175 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया था। अगरकार ने कहा, उन्हें किसकी जगह लेते। इसमें न तो उनकी गलती है और न ही हमारी। फिलहाल तो आप सिर्फ 15 खिलाड़ी ही चुन सकते हैं। इसलिए उन्हें अपने मौके का इंतजार करना होगा।

सुपर फोर का शेड्यूल

कार्यक्रम इस प्रकार है:
20 सितंबर: बी1 बनाम बी2
21 सितंबर: ए1 बनाम ए2 (संभावित भारत बनाम पाकिस्तान)
23 सितंबर: ए2 बनाम बी1
24 सितंबर: ए1 बनाम बी2
25 सितंबर: ए2 बनाम बी2
26 सितंबर: ए1 बनाम बी1
28 सितंबर, फाइनल

एशिया कप शेड्यूल

ग्रुप ए: भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान
ग्रुप बी: श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग
एशिया कप 2025 के मैचों का पूरा शेड्यूल
9 सितंबर: अफगानिस्ताकन बनाम हांगकांग
10 सितंबर: भारत बनाम यूएई
11 सितंबर: बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर: पाकिस्ता न बनाम ओमान
13 सितंबर: बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तानन
15 सितंबर: श्रीलंका बनाम हांगकांग
15 सितंबर: यूएई बनाम ओमान
16 सितंबर: बांग्लाईदेश बनाम अफगानिस्ताकन
17 सितंबर: पाकिस्ता न बनाम यूएई
18 सितंबर: श्रीलंका बनाम अफगानिस्ता न
19 सितंबर: भारत बनाम ओमान

डेब्यू वनडे में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर डेवाल्ड ब्रेविस ने बनाया दमदार रिकॉर्ड

कैर्न्स, एजेंसी। बेबी एबी के नाम से लोकप्रिय दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम की है। ब्रेविस इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत की। ब्रेविस को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ब्रेविस ने तूफानी शुरुआत की और अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। गेंदबाज थे ट्रेविस हेड।

वनडे में डेब्यू करते हुए अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले ड्रेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बने। जोहान लॉ ने 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाया था। उन्होंने शाकिब अल हसन पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस ने अपने करियर का आगाज तो बेहद शानदार और यादगार अंदाज में किया, लेकिन वे अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके। ब्रेविस अगली ही गेंद पर आउट हो गए।

भारत के लिए ईशान किशन ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू करते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट और टी20 में भी डेब्यू कर चुके हैं। ब्रेविस ने 2 टेस्ट मैचों की 3 पारी में 84 रन बनाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 51 रहा है। वहीं, 10 टी20 मैचों में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 318 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न टी20 सीरीज में ब्रेविस ने विस्फोटक शतक लगाया था। उन्होंने 56 गेंद पर 8 छक्के और 12 चौके लगाते हुए नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। इसके अगले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वनडे सीरीज में जगह दी गई।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

बाबर और रिजवान का हुआ डिमोशन

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मौजूदा वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को लगातार बड़े झटके दे रहा है। एशिया कप 2025 के स्क्वॉड से बाहर होने के बाद पीसीबी के नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को नुकसान उठाना पड़ा है।

बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वह लंबे समय से टॉप कैटेगरी में शामिल रहे हैं। पिछली बार भी वह ग्रेड ए का हिस्सा थे, लेकिन 2025-2026 के लिए जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बाबर आजम और रिजवान को डिमोट कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड बी में जगह दी गई है।

नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कुल 30 खिलाड़ियों को जगह दी गई है, लेकिन ग्रेड ए कैटेगरी में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया है। पिछली बार सी ग्रेड का हिस्सा रहे अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सलमान अली आगा, सैम अयूब और शादाब खान को ग्रेड बी में शामिल किया गया है।

बोर्ड ने 12 नए खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया है। ये खिलाड़ी हैं- अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफयान मोकिम। सभी पहली बार कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने हैं।

पाकिस्तान सेंट्रल कांट्रैक्ट (2025-26) में शामिल खिलाड़ी

ग्रेड बी (10 खिलाड़ी):
अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, सलमान अली आगा, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी

ग्रेड सी (10 खिलाड़ी):
अब्दुल्लाह शफीक, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नोमान अली, साहिबजादा फरहान, साजिद खान और सऊद शकील

ग्रेड डी (10 खिलाड़ी):
अहमद दानियाल, हुसैन तलत, खुर्रम शहजाद, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शान मसूद और सुफियान मुकीम

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन लंबे समय से निराशाजनक रहा है। हाल ही में टीम को वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज में 1-2 से हराया है।

कानपुर सुपरस्टार्स ने जारी की ट्रायल से चुने गए नए खिलाड़ियों की सूची, आने वाले मैच की तैयारियों पर डाली नजर

मेरठ, लोकसत्य

जोशीले ट्रायल राउंड के बाद कानपुर सुपरस्टार्स ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें पूरे क्षेत्र के कुछ बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को शामिल किया गया है। चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

शुभ खन्ना (प्रयागराज)फ़ैज़ अहमद (कानपुर),दमनदीप सिंह,दीपक राजपूत (आगरा),अंश तिवारी (कानपुर),अभिषेक यादव (इलाहाबाद),विपिन ढाका (फरीदाबाद),वीर वेदांत शर्मा, अंकुर शर्मा (मेरठ)

यह नई टीम युवा जोश और मजबूत अनुभव का मेल है, जिसमें नए उभरते खिलाड़ी और खुद को साबित कर चुके खिलाड़ी शामिल हैं, जो प्रतियोगी क्रिकेट के हाई वोल्टेज स्टेज पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। कोचिंग स्टाफ ने टीम पर भरोसा जताया और कहा कि खिलाड़ियों की आपसी प्रतिबद्धता, ऊर्जा और अनुशासन उन्हें पिछले सीज़न के अच्छे प्रदर्शन से आगे बढ़ने और चैंपियनशिप की दौड़ में ऊँचे लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा।

कानपुर सुपरस्टार्स के प्रबंधन ने एक बयान में कहाः ?हमें इस सीज़न के लिए चुनी गई प्रतिभाओं पर गर्व है। हमारे खिलाड़ी संकल्पित हैं और कानपुर का प्रतिनिधित्व प्राइड, पैशन और फाइटिंग स्पिरिट के साथ करने के लिए तैयार हैं। हम अपने फैंस को रोमांचक क्रिकेट दिखाने के लिए उत्सुक हैं।

अब जब मंच तैयार है, तो सबकी नजरें टीम की अगली चुनौती पर टिकी हैं। कानपुर सुपरस्टार्स 19 अगस्त की दोपहर काशी रुद्रास के खिलाफ मुकाबले में फिर मैदान पर उतरेंगे। यह मैच जबरदस्त रोमांच और नई टीम की असली ताकत की परीक्षा साबित होगा। फैंस बेसब्री से देखना चाहेंगे कि यह नई टीम मौके पर कैसे खरा उतरती है और कानपुर की गौरवशाली क्रिकेट परंपरा को आगे बढ़ाती है।

शायद ही कभी भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे धोनी : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी शायद ही कभी कोच बने। चोपड़ा के अनुसार उन्हें नहीं लगता कि धोनी को कोचिंग में रुचि है। आकाश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि धोनी अभी कोचिंग देना चाहेंगे क्योंकि कोचिंग एक फुल टाइम नौकरी है जिसमें आप फिर से वैसे ही व्यस्त हो जाते हैं जैसे आप अपने क्रिकेट करियर में थे। कई बार तो जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाती हैं। वहीं आकाश ने यह भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी कोचिंग से क्यों दूरी बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर अपना पूरा जीवन सफर में, होटल में और मैदान पर ही बिता देता है। ऐसे में संन्यास के बाद वे थोड़ा स्थिर जीवन जीना चाहते हैं। खिलाड़ी सोचते हैं कि जब पूरी जिंदगी सूटकेस के साथ बिताई है तो अब क्यों दोबारा उसी जिंदगी में लौटें।

वनडे विश्व कप | **हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया**

वनडे विश्व कप के लिए रेणुका लौटीं, शेफाली को फिर मौका नहीं

मुंबई, एजेंसी। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने फिट होकर एक साल बाद महिला वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की है। हालांकि आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा को वैश्विक टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं है। वनडे विश्व कप 30 सितंबर से भारत में खेला जाएगा।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया। हरियाणा की 21 साल की विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली पिछले एक साल से वनडे टीम से बाहर है। उन्होंने पिछला वनडे अक्तूबर में अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

उनकी जगह तब से प्रतिका रावल उपकप्तान मंधाना के साथ ओपनिंग कर रही है। प्रतिका ने पिछले 14 वनडे में शानदार प्रदर्शन किया है। हरमनप्रीत और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने बीसीसीआई मुख्यालय में टीम की घोषणा के बाद मीडिया से बात की। भारत पर घरेलू मैदान पर जीत का दबाव होगा क्योंकि उसने अब तक कोई विश्व खिताब नहीं जीता है। पूरी संभावना है कि 36 वर्षीय हरमनप्रीत अपना आखिरी वनडे विश्व कप खेलेंगी। नीतू ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के लिए शेफाली के नाम पर चर्चा हुई लेकिन रावल को तरजीह दी गई। शेफाली हमारी योजनाओं में है। हमारी नजर उस पर है और वह अधिक खेलेगी तो भविष्य में वनडे में भारत के लिए खेल पाएगी।

रेणुका मुख्य गेंदबाज : वहीं हिमाचल प्रदेश की 29 वर्षीय पेसर रेणुका चोट के चलते पिछले एक साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 27 दिसंबर को वडोदरा में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे के रूप में खेला था। नीतू ने कहा, वह हमेशा से एक अनमोल खिलाड़ी रही हैं। उन्हें कुछ छोटी-मोटी चोट थी लेकिन अब वह उपलब्ध है। इस विश्व कप के लिए वह हमारी मुख्य खिलाड़ी है।

क्रांति भी टीम में : विश्व कप टीम में 22 साल की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को भी जगह मिली है। उन्होंने हाल में इंग्लैंड दौरे पर वनडे में छह विकेट चटकाए। स्पिनरों के रूप में टीम में चरणी, राणा, राधा और अनुभवी दीप्ति शर्मा को शामिल किया गया है। बाक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में अमनजोत की जगह सयाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 सितंबर से होने वाली वनडे सीरीज के लिए विश्व कप की टीम में सिर्फ एक बदलाव किया गया है। इसमें अमनजोत की जगह सयाली सतघारे को जगह दी गई है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि अमनजोत बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कुछ छोटी-मोटी समस्याओं पर काम कर रही हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चंडीगढ़ में शुरू होने वाली सीरीज में नहीं खेलेंगी। विश्व कप के लिए टीम में वापसी करेंगी। अमनजोत पीठ में चोट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ पिछले महीने आखिरी दो वनडे नहीं खेल पाई थीं।

टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, रिचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

स्टैंड बाय : तेजल हसबैंस, प्रेमा रावत, उमा छेत्री, प्रिया मिश्रा, मिन्नू मणि, सयाली सतघारे।

बिपाशा पर मृणाल ठाकुर की टिप्पणी को लेकर उर्फी ने दी प्रतिक्रिया

मृणाल ठाकुर अपने एक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। मृणाल इस वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री बिपाशा बसु की बॉडी पर तंज कसती दिखी हैं। वे खुद को बिपाशा से ज्यादा खूबसूरत बता रही हैं और कहती हैं कि बिपाशा के मैनली मसल्स हैं। इस पर बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए मृणाल को जवाब दिया। मृणाल ठाकुर इस पर सफाई देकर माफी मांग चुकी हैं। अब उर्फी जावेद ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है।

उर्फी ने लिखा, हम सभी ने ऐसी बातें कही हैं मृणाल ठाकुर ने इस वायरल वीडियो में जो कुछ कहा, उसने तूल पकड़ लिया है। बिपाशा के फैंस मृणाल को ट्रोल कर रहे हैं। उनकी समझ पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद ने मृणाल ठाकुर का बचाव किया है। उर्फी ने आज शुक्रवार को मृणाल का वह पुराना वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है और इसके साथ लिखा है, हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं।

विचारधाराओं में बदलाव होता है उर्फी ने लिखा है, जब हम युवा होते हैं तो हमें कुछ भी बेहतर नहीं पता होता, हम हर दिन सीखते और बढ़ते हैं। हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं, जिनसे अब हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि हम विकसित होते हैं, बदलते हैं, हमारे नैतिक मूल्य भी बदलते हैं। विचारधाराओं में भी बदलाव होता है। मैंने पिछले इंटरव्यू में भी कुछ ऐसी बातें कही हैं, जो मुझे पसंद नहीं हैं।

मृणाल ने मांगी थी माफी

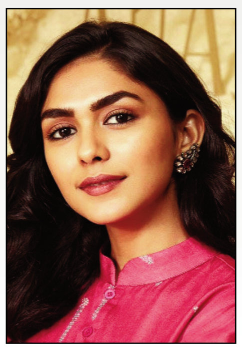

बता दें कि मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर इस टिप्पणी पर सफाई दी थी कि उन्होंने इरादतन कोई बात नहीं कही थी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 19 साल की उम्र में मैंने टीनएज में कई ऐसी बेवकूफी भरी बेतुकी बातें कही थीं। मुझे यह समझ नहीं थी कि आवाज में कितनी ताकत होती है या महज मजाक में भी कहे गए शब्द कितना दुख पहुंचा सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ और इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है। मेरा इरादा कभी किसी को बॉडी शेम करने का नहीं था। यह एक इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कही गई बात थी। यह मजाक हद से ज्यादा बढ़ गया। काश मैंने अपने शब्द अलग तरह से चुने होते। समय के साथ, मैं समझने लगी हूं कि सुंदरता हर रूप में होती है और अब मैं इसी को सच में महत्व देती हूं।

कई बायोपिक करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

पॉपुलर वेब सीरीज एस्पिरेंट्स का संदीप भैया का किरदार आज भी ऑडियंस के दिलों में एक खास जगह बनाए हुए है। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता सनी हिंदुजा अब एक नए रोल में नजर आएंगे। वो वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट के किरदार में दिखेंगे।

एक्टर हमेशा भूखा रहता है...

बातचीत में सनी हिंदुजा ने कहा, एक्टर होता है तो भूखा होता है, मतलब हमेशा अच्छे रोल्स का इंतजार करता रहता है। मैं भी उसी कड़ी में हूं। अच्छे राइटर्स, अच्छे मेकर्स और अच्छे प्लेटफॉर्म्स के लिए इंतजार करना पड़ता है।

लोगों का प्यार गहरा होता है, भले नाम न जानें

एक्टर ने आगे कहा कि ट्रोलर्स के जो चुटकुले बनते हैं, उन्हें देखकर लगता है कि लोगों की मोहब्बत कितनी गहरी है। भले वे मेरा नाम भी सही से न जानते हों। कोई मुझे संदीप भैया बुलाता है, कोई 'सनी' ही समझ लेता है। अब कुछ लोग मुझे पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट समझ बैठे हैं, मजाक अलग है लेकिन ये भी एक तरह का प्यार ही है।

बायोपिक्स करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

अभिनेता ने आगे कहा कि हां, ऐसा बिल्कुल नहीं है कि मैं संतुष्ट हूं। मैं चाहता हूं कि मैं बायोपिक्स करूं, अलग-अलग किरदार निभाऊं, खुद को एक्सप्लोर करूं। लेकिन जो भी रोल मिले, उसमें पूरी मेहनत और लगन से काम करना चाहिए। छोटे या बड़े रोल से फर्क नहीं पड़ता, जो दिल से निभाए वही कामयाब होता है।

हर किरदार में देना चाहिए सर्वश्रेष्ठ

सनी ने यह भी बताया कि एक्टिंग में सही स्क्रिप्ट, टीम और रोल मिलना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब आपको अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है और रोल में जान डालने का मौका मिलता है, तो आपको वह काम पूरे दिल से करना होता है। चाहे वह आईएएस बनने की कोशिश कर रहा संदीप भैया हो या एक जासूस जैसा पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट, हर किरदार में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।

लोगों से मिले प्यार को खास मानते हैं सनी

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसा महसूस हुआ कि उन्हें वह रोल नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे और क्या वे अभी भी उस खास मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस पर सनी ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई ये है कि मैं आज जिस पोजीशन पर हूं, वह बहुत खास है। इतना प्यार मिलता है कि मेरा पैशन और प्रोफेशन दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। अगर ये मुझे नहीं मिला होता, तो मैं बस एक्टिंग करता रहता, लेकिन इतनी जल्दी प्यार और पहचान मिलना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है।

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

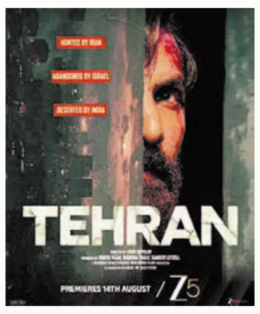

अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है। मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हों, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी इस निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी। सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्लेय तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है।

मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आई मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आईं। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं।

एजेंट के रोल की तैयारी करने में आपको सबसे ज्यादा क्या खास लगा?

सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

शूटिंग के दौरान कोई ऐसी बात जो आपको चौंकाने वाली लगी हो?

हां, बहुत कुछ। जैसे डॉक्टर भाबा के प्लेन क्रैश की घटना, जो सच है। लेकिन इसके आस-पास कितनी जिंदगियों पर असर पड़ा होगा, ये सोचकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। इन एजेंट्स के अंदर जो भावनात्मक उलझन होती है, इतनी सारी जानकारी लेकर कैसे जिया जाता है? ये समझना बहुत ही दिलचस्प था। ये लोग हमारे आसपास होते हैं, सामान्य लगते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती है। उनका नाम कभी अखबारों में नहीं आता, न उन्हें कोई मेडल मिलता है। ये चुपचाप अपना काम करते हैं, इतने प्रेशर के बीच। ये मेरे लिए बेहद खास अनुभव था।

फिजिकल-मेंटल प्रिपरेशन कैसी रही?

इसमें फाइट सीन नहीं थे, क्योंकि एजेंट का काम ही ये है कि फाइट तक ना पहुंचे। मिशन फेल हो चुका होता अगर फाइट करनी पड़ी। इसलिए हमें ज्यादा साइकोलॉजिकल और मेंटल ट्रेनिंग मिली। रिएक्टिव ना होकर रिस्पॉन्सिव रहना, डायलॉग के बीच का गैप, जहां अंदर प्रोसेसिंग होती है, उसे समझना। 70 के दशक के लोगों के चलने-फिरने और बोलने के अंदाज को समझना भी बहुत जरूरी था।

आपको एजेंट की मानसिक स्थिति को समझने में क्या सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा?

ये लोग अपनी सफलता का जश्न कभी नहीं मना पाते। न उन्हें मेडल मिलते हैं, न नाम अखबार में आता है। ये लोग बहुत प्रेशर के बीच चुपचाप अपना काम करते हैं। इस बात को एक्सप्लोर करना मेरे लिए कमाल का अनुभव था।

'स्कैम 1992' के बाद क्या आपको लगा कि हमेशा एक जैसे रोल मिल रहे हैं?

नहीं, ऐसा कभी नहीं लगा। हर बार नया किरदार मिला है। लोग मुझे अलग-अलग किरदारों के लिए सोचते हैं। मुझे लगता है कि मैं अपने किरदारों में कुछ नया लेकर आता हूं। स्टीरियोटाइप से बचना मुश्किल है, लेकिन मैं कोशिश करता हूं, इस चीज से खुद को दूर रखूं।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कोई व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अच्छी फिल्में ज्यादा लोगों तक पहुंचें?

बिलकुल। इंडस्ट्री में काफी इनोवेशन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी तो है, बस उस ऑडियंस तक पहुंचने का रास्ता ढूंढना होगा। इंडस्ट्री धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ रही है, लेकिन और सुधार की जरूरत है।

आप अगले प्रोजेक्ट में महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं और आपकी सीरीज टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चुनी गई है?

यह मेरे लिए एक बहुत खास मौका है। महात्मा गांधी जैसा बड़ा किरदार निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसे निभाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ती है, क्योंकि गांधीजी की जिंदगी में कई पहलू हैं जो समझने जरूरी हैं। इस रोल को निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। साथ ही, सीरीज गांधी का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सेलेक्ट होना इस सफर की बड़ी सफलता है, जिससे मैं बहुत खुश हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401